Sharma Hardware
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 151 | गुवाहाटी | बुधवार, 27 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पेट्रोल और डीजल का इम्पोर्ट रोकना भारत के लिए होगी नई आजादी : गडकरी पेज 2
लोग शराब प्राचीन काल से ही पीते आ रहे हैं : शुक्लवैद्य पेज 3
मोदी सरकार के शासन में 100 में से पूरा 100 पैसा राज्य तक पहुंच... पेज 5
दर्द सहा पर भाई के हौसले ने चिराग को बनाया विजेता दर्दनिवारक दवाओं ... पेज 7

राज्य के लिए सफल रहा 2023, हजारों उग्रवादियों का हुआ पुनर्वास

चरमपंथी हिंसा में नहीं हुई एक भी मौत : सीएम

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का कहना है कि राज्य में साल 2023 में चरमपंथी हिंसा के कारण एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि असम में पिछले एक साल में आदिवासी उग्रवाद का संपूर्ण खात्मा भी देखा गया है। उन्होंने कहा कि असम के ज्यादातर हिस्सों से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफ्सपा) को धीरे-धीरे हटाना राज्य में शांति प्रयासों में बड़ी उपलब्धि है। शर्मा ने एक्स पर लिखा कि केंद्र और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण असम शांति और समृद्धि के युग का गवाह बन रहा है। सीएम शर्मा ने कहा कि 2023 में कई समूहों ने अपने हथियार डाल दिए, अफ्सपा को और हटा दिया गया और चरमपंथी हिंसा में कोई भी जाने नहीं गई हैं, जो राज्य के लिए एक सफल साल है। सीएम ने कहा कि असम को शांति वाले राज्य में बदल दिया गया है और 2023 एक अभूतपूर्व वर्ष था क्योंकि हमारे पुलिसिंग और शांति प्रयास सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि असम से अफ्सपा को धीरे-धीरे हटा दिया गया है, अब इसके अधिकार क्षेत्र में केवल चार जिले हैं। बता दें कि अफ्सपा सुरक्षा बलों को बिना किसी पूर्व वारंट के अभियान चलाने और किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। इसके अलावा अगर सुरक्षा बल किसी की गोली मारकर हत्या कर देते हैं तो जवानों को गिरफ्तारी और अभियोजन से छूट मिलती है। सीएम शर्मा ने यह भी दावा किया कि 2023 में असम में आदिवासी उग्रवाद का पूरी तरह से अंत हो गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में कुल 8,756 उग्रवादियों का पुनर्वास किया गया है, इस काम के लिए 300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया गया है। शर्मा ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों को कौशल और उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो अब असम की आर्थिक वृद्धि में मदद कर रहे हैं। वहीं, असम सरकार द्वारा जारी एक आंकड़े में उल्लेख किया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ शर्मा के कार्यकाल के दौरान विद्रोही समूहों के साथ चार शांति समझौतों पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए गए हैं। विशेष रूप से, 28 अप्रैल, 2023 को डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी/डिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीएनएलए/डीपीएससी) के साथ एक त्रिपक्षीय शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे दिमा हसाउ जिले में उग्रवाद की समाप्ति और सभी आदिवासी समूहों का एकीकरण हुआ। भारत की विकासात्मक यह पूरी प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में हुआ। यह ऐतिहासिक समझौता असम में सशस्त्र आदिवासी उग्रवाद के अंत का प्रतीक है। शांति पहल के कारण पिछले दो वर्षों में लगभग आठ हजार 756 पूर्व-कैडरों का पुनर्वास हुआ है, जिसमें पुनर्वास कार्यक्रमों में 300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश हुआ है। ये कार्यक्रम स्थायी आजीविका प्रदान करने और पूर्व उग्रवादियों को नागरिक जीवन में शामिल करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे समाज में सकारात्मक -शेष पृष्ठ दो पर

चालू वित्त वर्ष के लिए बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं : एपीडीसीएल

गुवाहाटी। राज्य में बिजली दरों में आसन्न बढ़ोतरी के बारे में फैल रही अफवाहों के जवाब में, असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) ने 26 दिसंबर को एक व्यापक स्पष्टीकरण जारी कर चिंताओं को शांत करते हुए पुष्टि की कि चालू वित्तीय वर्ष में बिजली दरों में किसी भी बढ़ोतरी का कोई प्रस्ताव नहीं है। एपीडीसीएल का यह बयान कंपनी द्वारा नियमित रूप से असम विद्युत नियामक आयोग (एईआरसी) को टैरिफ प्रस्ताव प्रस्तुत करने के बाद आया है, जिसकी समीक्षा के लिए हर साल एक प्रक्रिया की जाती है। मीडिया अटकलों के बावजूद, एपीडीसीएल ने इस बात पर जोर दिया कि अप्रैल 2023 में तय किया गया टैरिफ सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लागू रहेगा। बिजली दरों में आसन्न वृद्धि का सुझाव देने वाली मीडिया रिपोर्टों के बाद विभिन्न इलाकों से एपीडीसीएल की आलोचना -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने बनाया सभापति के शिष्टाचार का मजाक : रंजन गोगोई

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने मंगलवार को कांग्रेस पर कटाक्ष की है। उन्होंने सभापति जगदीप धनखड़ की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ बातचीत के दौरान झुकते हुए एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की है। जिस पर उन्होंने लिखकर कांग्रेस पर हमला किया है। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस शिष्टाचार का मजाक उड़ा रही है। बता दें राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पहले -शेष पृष्ठ दो पर

आरबीआई ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

सीतारमण और शक्तिकांत दास के इस्तीफे की मांग

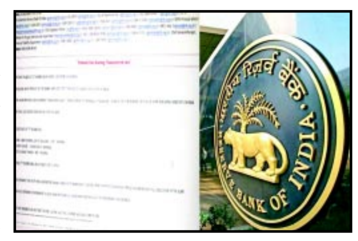

नई दिल्ली। मुंबई में 11 बम विस्फोटों के बारे में यहां रिजर्व बैंक को धमकी भरा एक मेल भेजे जाने के बाद मंगलवार को पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया लेकिन आरबीआई की केंद्रीय कार्यालय इमारत और दो अन्य बैंकों समेत इन स्थानों पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर की ईमेल आईडी पर सुबह करीब 10.50 मिनट पर *खिलाफत डॉट इंडिया* नामक आईडी से -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

संधि करने वालों में तेज ही संधि का होता है।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

रुड़की में ईंट भट्ठे की दीवार गिरी, पांच मजदूरों की मौत

रुड़की (हि.स.)। उत्तराखंड के रुड़की में आज सुबह मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के लहबोली गांव में ईंट भट्ठे की दीवार भरभरा कर ढह गई। इस दौरान काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। अभी तक पांच शव मलबे से निकाले जा चुके हैं। तीन की हालत गंभीर है। बताया गया है कि सुबह ईंट पकाने के लिए चिमनी में ईंट भरते समय हादसा हुआ। मजदूर ईंट भर रहे थे कि दीवार अचानक गिर गई। फिलहाल जेसीबी से मलबा हटाया जा रहा है। एसपी देहात समेत पुलिस अधिकारी मौके पर हैं। मंगलौर कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि अब तक पांच शव बाहर निकाले जा चुके हैं।

डीपफेक वीडियो को लेकर सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। वीडियो में छेड़छाड़ से संबंधित *डीपफेक* और कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये गलत सूचना के प्रसार को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी नियमों का पालन करने के लिए सभी ऑनलाइन मंचों को सलाह जारी की है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस परामर्श में कहा गया है कि मध्यस्थ के रूप में काम करने वाले डिजिटल और सोशल मीडिया मंच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के तहत निर्दिष्ट निषिद्ध सामग्री के बारे में प्रयोगकर्ताओं तक स्पष्ट और सटीक रूप से सूचना दें। बयान के मुताबिक कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मौजूदा आईटी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी मध्यस्थ कंपनियों को एक सलाह जारी की है। यह सलाह आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा मध्यस्थों के साथ की गई चर्चा का परिणाम है। ये निर्देश खास तौर पर एआई और डीपफेक की मदद से गलत सूचना के प्रसार को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

मनुवादी, प्रतिगामी, आरएसएस मानसिकता

विपक्ष ने वर्ण पोस्ट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा की आलोचना की

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को वर्ण व्यवस्था पर भगवद गीता श्लोक का हवाला देते हुए अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर विपक्षी दलों की आलोचना की। शर्मा, जिन्होंने पिछले शनिवार को हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में भाग लिया था, ने हिंदू धर्मग्रंथ का एक श्लोक पोस्ट किया जो उन लोगों के कर्तव्यों से संबंधित है जिनके पास वैश्य और शूद्र के गुण हैं, जो ब्राह्मण और क्षत्रिय के साथ मिलकर वर्ण व्यवस्था बनाते हैं। शर्मा ने गीता के अध्याय 18 में शामिल श्लोक 44 पर एक वीडियो क्लिप संलग्न करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर असमिया में पोस्ट किया कि भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं वैश्यों और शूद्रों के प्राकृतिक कर्तव्यों का वर्णन किया। श्लोक का अंग्रेजी अनुवाद यह है कि खेती, गाय पालन और वाणिज्य वैश्यों का स्वाभाविक कर्तव्य है और ब्राह्मणों, क्षत्रियों और वैश्यों की सेवा करना शूद्रों का स्वाभाविक कर्तव्य है। शर्मा ने गीता महोत्सव में कहा था कि वेद, उपनिषद और भगवद गीता वह आधार हैं जिस पर भारतीय संविधान लिखा गया था। संयोग से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने अक्तूबर 2022 -शेष पृष्ठ दो पर

लाल सागर में पोत पर हमला बेहद गंभीर

दोषियों को पाताल से निकाल कर सजा देंगे : रक्षामंत्री

मुंबई। भारतीय नौसेना के बेड़े में *आईएनएस इम्फाल* को शामिल कर लिया गया। नौसेना के पोत आईएनएस इम्फाल के कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल समुद्र में उथल-पुथल बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक शक्ति के कारण कुछ ताकतवर देशों में ईर्ष्या और नफरत भर रही है। उन्होंने कहा कि मर्चेंट नेवी जहाजों पर हाल के हमलों के बाद भारत ने समुद्र में गश्त बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अरब सागर में *एमवी केम प्लूटो* पर ड्रोन हमला और कुछ दिन पहले लाल सागर में *एमवी साईं बाबा* पर हमले को भारत सरकार ने बेहद गंभीरता से लिया है। भारतीय नौसेना ने समुद्र की निगरानी बढ़ा दी है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिसने भी समुद्री पोत को निशाना बनाया है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हमला करने वाले दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगे। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी यूट्यूब चैनल पर दो करोड़ सब्सक्राइबर्स तक पहुंचने वाले पहले विश्व नेता बने

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर 2 करोड़ सब्सक्राइबर्स तक पहुंचने वाले पहले विश्व नेता बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी एकमात्र विश्व नेता हैं, जिन्होंने अपने निजी यूट्यूब चैनल पर 2 करोड़ सब्सक्राइबर होने का गौरव हासिल किया है। वह अन्य वैश्विक और भारतीय समकालीनों से काफी आगे हैं। वास्तव में दूसरे सबसे अधिक फॉलोअर्स वाले वैश्विक नेता ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सनोरा हैं, जिनके सिर्फ 64 लाख सब्सक्राइबर्स हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

ममता को उनके ही गढ़ में घेरने की तैयारी में भाजपा, अमित शाह-नड्डा ने बनाई नई रणनीति

कोलकाता। मंगलवार को भाजपा के पश्चिम बंगाल डिवीजन ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए 15 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति की स्थापना की। प्रमुख सदस्यों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा सहित राज्य के कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। समिति ने आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए मंगलवार को कोलकाता में एक बैठक की। अमित शाह और जेपी नड्डा मंगलवार को कोलकाता पहुंचे जहां हवाई अड्डे पर पार्टी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। समिति के मुख्य सदस्य हैं: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, राज्य पार्टी प्रमुख सुकांत मजूमदार, सांसद दिलीप घोष, पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, राहुल सिन्हा, अमिताभ चक्रवर्ती, सतीश ढांड, मंगल पांडे और आशा लोकरा। समिति में पांच महासचिव भी हैं, जिनमें -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में इजरायली एंबेसी के पास धमाका, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले स्थित इजराइली दूतावास के पीछे खाली प्लॉट में धमाके की सूचना मिली है। मौके पर सुरक्षा बल पहुंच गया है। सुरक्षा कर्मियों ने आसपास के इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, किसी ने पीसीआर काल कर धमाके की जानकारी दी थी। घटना लगभग शाम 5:47 बजे के आसपास हुई है। नई दिल्ली जिला पुलिस और स्पेशल सेल की टीम मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई हैं। जांच से पता चलेगा कि धमाका कैसे हुआ और किसने किया। बता दें कि 2021 में भी नए साल पर यहीं कार में धमाका हुआ था। जहां कार में पीछे की तरफ बम को चिपका दिया गया था। 29 जनवरी, 2021 में एंबेसी के पास शाम को धमाका हुआ था। बम ब्लास्ट होने -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली सेना ने गाजा के शरणार्थी शिविरों पर की गोलाबारी

नेतन्याहू ने दी चेतावनी- लड़ाई खत्म नहीं होने वाली

गाजा सिटी। इजराइली बलों ने मंगलवार को मध्य गाजा में स्थित शरणार्थी शिविरों पर गोलाबारी की। स्थानीय नागरिकों ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि चारों तरफ से घिरे क्षेत्र के तीसरे खंड में अपने जमीनी हमले को विस्तारित करने की संभावित तैयारी के तहत इजराइल ने यह कार्रवाई की है। संभावित नए युद्ध क्षेत्र का खुलना इंगित करता है कि आगे की राह विनाशकारी और लंबी है, क्योंकि दक्षिणी इजराइल पर सात अक्तूबर के हमले के बाद इजराइल ने हमास को कुचलने का संकल्प लिया है। कई हफ्तों से इजराइली सेना उत्तरी गाजा और दक्षिणी शहर खान यूनिस में भारी लड़ाई में जुटी हुई है, जिसने फीलस्तीनियों को शरण लेने के लिए क्षेत्र के छोटे क्षेत्रों में धकेल दिया है। संघर्ष विराम के लिए अंतर्राष्ट्रीय दबाव और हताहत होने वाले नागरिकों की संख्या में कमी लाने के अमेरिकी आह्वान के बावजूद -शेष पृष्ठ दो पर

पति के सामने सिंदूर मिटाना तलाक का आधार : दिल्ली एचसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने तलाक के दो अलग-अलग मामलों में अहम फैसले दिए। एक मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि पति के सामने अपनी मांग का सिंदूर मिटा देना, सुहाग की चूड़ियां तोड़ देना और सफेद साड़ी पहन कर खुद को विधवा दर्शाना तलाक का ठोस आधार बनता है। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस सुरेश कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पत्नी द्वारा हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों का पालन न करने वाला इस तरह का बर्ताव यह दर्शाता है कि उसके मन में अपने पति के प्रति कोई प्यार और सम्मान नहीं बचा है। इस तरह का व्यवहार निश्चित तौर पर एक पति के लिए बड़े मानसिक आघात और क्रूरता से कम नहीं है। ऐसे में यह तलाक का ठोस आधार बनता है। तलाक के दूसरे मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि पति-पत्नी के बीच विवाद के दौरान पत्नी द्वारा पति की मर्दानगी पर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पेट्रोल और डीजल का इम्पोर्ट रोकना भारत के लिए होगी नई आजादी : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत को नई आजादी का अनुभव होगा, जब देश अब पेट्रोल या डीजल का आयात नहीं करेगा। गडकरी ने बताया कि पेट्रोल और डीजल का आयात खत्म करना दुनिया भर में आतंकवाद से निपटने से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जब तक यह आयात बंद नहीं होगा, दुनिया भर में आतंकवाद नहीं रुकेगा। मेरे जीवन का उद्देश्य पेट्रोल और डीजल का आयात बंद करना है। उन्होने कहा कि मैं इसे भारत के लिए एक नई आजादी मानता हूं जब देश में पेट्रोल और डीजल की एक बूंद भी आयात नहीं की जाएगी। नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि भारत का पेट्रोल और डीजल का मौजूदा आयात बिल 16 लाख करोड़ रुपए है। गडकरी ने दावा किया कि जीवाश्म ईंधन के आयात में कटौती करके बचाए गए धन को गरीबों की मदद के लिए निर्देशित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल का आयात बिल अब 16 लाख करोड़ रुपए है। अगर हम इस आयात को कम कर देंगे तो जो पैसा हम बचाएंगे वह गरीबों के पास जाएगा। इसीलिए हमने जैव ईंधन जैसे वैकल्पिक ईंधन की शुरुआत की है। आयात में कमी और निर्यात में वृद्धि ही देशभक्ति और स्वदेशी के लिए आगे बढ़ने का रास्ता है। गडकरी ने उल्लेख किया कि जब उन्होंने 2014 में पदभार संभाला था, तो भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का मूल्य 7 लाख करोड़ रुपए था। अब यह बढ़कर 12.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जिससे 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऑटोमोटिव क्षेत्र राज्य सरकारों और केंद्र दोनों को सबसे अधिक जीएसटी योगदान देता है। उन्हें विश्वास है कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अगले पांच वर्षों के भीतर विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर होगा। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा आयात ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में हो रहा है। अगर हम विश्वगुरु बनना चाहते हैं और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं, तो हमें निर्यात में नंबर एक बनना होगा। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया है कि उनकी सरकार आत्मनिर्भर भारत (आत्मनिर्भर भारत) और सुशासन (सुशासन) जैसी अपनी पहलों के आधार पर अगले पांच वर्षों में नंबर एक होगी।

नई शिक्षा नीति से राष्ट्र में नए वातावरण का निर्माण हो रहा है : दत्तात्रेय होसबोले

जयपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि शिक्षा विवेक जागृत करती है। शिक्षा के महत्व को समझे। भारत की शिक्षा भारतीय केन्द्रित होनी चाहिए इसके लिए सभी को प्रयास करने होंगे। नई शिक्षा नीति से राष्ट्र में नए वातावरण का निर्माण हो रहा है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन, चरित्र निर्माण और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों का हल भी भारतीय ज्ञान परम्पराओं से हो रहा है। सरकार्यवाह होसबोले मंगलवार को अग्रवाल कॉलेज के सभागार में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित शिक्षा में भारतीयता और व्यवस्था परिवर्तन विषयक प्रबुद्धजन गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जीवन की चुनौती का उत्तर भारतीय शिक्षा में है। नई शिक्षा नीति से अनुकूल वातावरण बन रहा है। हम कह सकते हैं, ऐसा विश्वास नई पीढ़ी में नई शिक्षा नीति पैदा कर रही है। इससे तैयार होने वाली प्रतिबद्ध पीढ़ी मानव प्रेम की भावना समाज में विकसित करेगी, जिससे विश्व में भारत मॉडल बन सकेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के संदर्भ में भारत विश्व की महान परंपराओं का वारिस है। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता के पश्चात की पीढ़ी इस महानता को समझने में स्वयं प्रयास नहीं कर पाई। इससे वंचित रखने का भरपूर प्रयास हुआ। उन्होंने कहा कि अब नई शिक्षा नीति से देश में नई ऊर्जा और नया वातावरण बनते हुए हम देख रहे हैं। देरी हो गई है, लेकिन हम दुरस्त हो गए। इस अवसर पर न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल भाई कोठारी ने कहा कि शिक्षा में भारतीयता पर आज भी चिंतन की आवश्यकता है। भारतीय दर्शन से भारतीय जीवन दृष्टि का निर्माण हुआ है। भारतीय मूल्य निर्मित हुए हैं। व्यवहार में भारतीय मूल्यों का आचरण करने वाले भारतीय संस्कृति के पर्याय बने हैं। उन्होंने कहा कि भारत का ज्ञान समृद्ध है। योग भारतीय संस्कृति की देन है। योग को विश्व के अनेक देशों ने अपनाया है। आज दुनिया की सोच बदल रही है। दुनिया भारतीय शिक्षा की ओर अग्रसर है। देश दुनिया की चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान परम्परा में है। भारतीय ज्ञान परम्परा पर दुनिया में अनेक शोध व अनुसंधान हो रहे हैं। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत की सनातन परम्परा विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत है। भारतीय शिक्षा ने विश्व में राष्ट्र की पहचान बनाई है।

डीजीपी ने पुलिस प्रताड़ना के कारण मौत की जांच के दिए आदेश

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के जोरहाट जिले में एक युवक की आत्महत्या के मामले में असम के डीजीपी जीपी सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि पुलिस यातना सहन करने में असमर्थ होने के कारण मृतक ने आत्महत्या की। सोशल मीडिया पर आज असम के डीजीपी ने कहा कि जोरहाट जिले के तीताबर के दीपांकर गोगोई की मौत की जांच के आदेश दिए गए हैं। जीपी सिंह ने कहा कि मामले की जांच पुलिस महानिरीक्षक पूर्वी रेंज से कराई जाएगी। जोरहाट में हाल ही में हुए ग्रेनेड विस्फोट से संबंधित पूछताछ के एक दिन बाद तीताबर के दीपांकर गोगोई ने आत्महत्या की। जांच में सीसीटीवी का विश्लेषण किया जाएगा। पूछताछ के बाद रिहाई के समय मेडिकल जांच की रिपोर्ट आदि की जांच की जाएगी। डीजीपी ने सोशल मीडिया पर कहा कि असम पुलिस आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कानून में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

गुवाहाटी में नकली सोना, जाली नोट के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में नकली सोना और भारी मात्रा में जाली नोट के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नकली सोना और नकली मुद्रा के लेन-देन और वितरण के बारे में एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ, असम द्वारा राजधानी के गरचुक पुलिस थानाक्षेत्र के तहत बेंतकुची के काटाबारी में गोलाप हुसैन के किराए के घर पर छापा मारा गया। इसके परिणामस्वरूप तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छापामारी में नाव के आकार का नकली सोना (वजन 1.69 किलोग्राम), 413 नकली 500 रुपए मूल्यवर्ग के भारतीय मुद्रा जो दो लाख छह हजार पांच सौ नकली मुद्रा थे, दो मोबाइल फोन आदि बरामद किया गया।

सोनोवाल ने बोगीबील परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

डिब्रूगढ़। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने सोमवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले के बोगीबील में *जेट्टी* (एक तरह के छोटे बांध या घाट) के निर्माण सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। सोनोवाल ने अधिकारियों को परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस परियोजना के पूरा होने से ब्रह्मपुत्र के रास्ते वैश्विक व्यापार मार्गों पर मालवाहक जहाजों की आवाजाही में तेजी आने की संभावना है। बोगीबील परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिब्रूगढ़ हमेशा पूर्वोत्तर भारत में एक प्रमुख व्यापार केंद्र रहा है। इसके व्यावसायिक महत्व को देखते हुए, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अतीत के गौरव को फिर से हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जलमार्ग आर्थिक और वाणिज्यिक संभावनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि विकास को गति देने तथा विकास के एक नए युग की शुरुआत के लिए प्रधान मंत्री के नेतृत्व में भारत के जलमार्गों को फिर से विकसित किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दे केंद्र सरकार : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में अब विलंब नहीं करना चाहिए। खड़गे ने मंगलवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के पार्टी नेताओं के साथ बैठक के बाद एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को मोदी सरकार ने धोखा दिया है। वहां आतंकी घटनाएं चरम पर हैं। कश्मीरी पंडितों पर आज भी हमले हो रहे हैं। वहां आए दिन आतंकी घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान वहां के लोगों ने कांग्रेस के साथ एकजुटता दिखाई थी। खड़गे ने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर व लद्दाख से आए पार्टी नेताओं के साथ उन्होंने बैठक की।

फिर बंगाल आ रहे हैं संघ प्रमुख

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत एक बार फिर बंगाल आ रहे हैं। इस महीने के अंत में 31 दिसंबर को उनका दो दिनों का कोलकाता दौरा होगा। यहां उनके कई कार्यक्रम और बैठकें होनी हैं। दो जनवरी को वे कोलकाता से वापसी करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सूत्रों ने बताया कि संघ प्रमुख संगठनात्मक सफर पर आ रहे हैं। वे अंग्रेजी नववर्ष बंगाल में ही मनाएंगे। हालांकि संघ की परंपरा में अंग्रेजी नववर्ष का पालन नहीं होता। एक और दो जनवरी को संघ प्रमुख के साथ संगठन के नेताओं की कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी। इसमें संघ की शाखाओं और अन्य अनुषांगिक संगठनों के कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा।

बांग्लादेश में जूट मिल में आग लगने से हड़कंप

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में खुलना के दिघलिया उप जिला में स्थित जामन जूट मिल में सोमवार रात करीब पौने 10 बजे आग लग गई। इससे नागरघाट इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां पहुंचीं। आग बुझाने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार खुलना अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के सहायक निदेशक फारूक हुसैन शिकदर ने इसकी पुष्टि की है। शिकदर ने कहा है कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। आग उस कमरे में लगी जहां मिल में निर्मित कुछ सामान और कच्चा जूट रखा हुआ था। आग की लपटें देख कर्मचारी तेजी से मिल से बाहर निकल आए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

दो सौ से अधिक नेपाली नागरिक रूसी सेना में भर्ती सौ से अधिक लापता : नेपाली विदेशमंत्री

काठमांडू (हि.स)। नेपाल के विदेश मंत्री एनपी साउद ने एक सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो सौ से अधिक नेपाली नागरिकों के रूसी सेना में भर्ती होने और उनमें से सौ से अधिक लोगों के लापता होने की जानकारी साझा की है। विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी सेना की तरफ से युद्ध लड़ने वाले अधिकांश नेपाली नागरिकों की या तो मौत हो चुकी है या वो यूक्रेन में युद्धबन्दी बने हुए हैं। कुछ दिन पहले ही नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से एक बयान जारी करते हुए रूस की तरफ से युद्ध लड़ रहे सात नेपाली नागरिकों की मौत होने और चार के युद्धबन्दी के रूप में यूक्रेन में होने की जानकारी दी गई थी। विदेश मंत्री के उस बयान के बाद सैकड़ों ऐसे परिवार सामने आए हैं, जिन्होंने अपने अपने परिवार के किसी सदस्य के रूसी सेना में भर्ती होने की लिखित जानकारी कराई है। विदेश मंत्री एनपी साउद ने कहा कि ऐसे लोगों की संख्या ढाई सौ से अधिक है। विदेश मंत्री साउद ने इस बात का भी खुलासा किया है कि रूसी सेना में भर्ती होने की जानकारी देने वाले करीब 100 से अधिक परिवारों ने यह भी बताया है कि उनके परिजन या तो मारे गए हैं या युद्धबन्दी के रूप में यूक्रेन की जेल में हैं। साउद ने कहा कि यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रारम्भ से ही नेपाल सरकार ने रूसी सेना में भर्ती होने या युद्ध में किसी देश के तरफ से युद्ध लड़ने पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है फिर भी इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों का रूसी सेना में प्रवेश करना और रूस की तरफ से जारी युद्ध में सहभागी होना खतरनाक संकेत है।

पृष्ठ एक का शेष

चरमपंथी हिंसा में ...

योगदान दें। इसके अलावा, राज्य में उग्रवादी हिंसा के कारण इस वर्ष किसी की मौत नहीं होने को मील का पत्थर माना जाता है, जो उग्रवाद से निपटने के लिए सरकार के दृष्टिकोण की सफलता को उजागर करता है। राज्य में इस प्रकार से शांति स्थापित होने से राज्य के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

चालू वित्त वर्ष ...

की गई थी। इन अटकलों के विपरीत, 300 यूनिट तक की खपत के लिए मौजूदा टैरिफ दरें अपरिवर्तित रहेंगी। हालांकि, 300 यूनिट से अधिक बिजली की खपत के लिए समायोजन हैं। 300 से 500 यूनिट के दायरे में आने वाले उपभोक्ताओं को प्रति यूनिट 0.20 पैसे का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। उन लोगों के लिए, विशेष रूप से सरकारी कार्यालयों में, जहां 500 यूनिट से अधिक की खपत होती है, प्रति यूनिट 0.99 पैसे का शुल्क लगाया जाएगा। वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं पर 0.59 पैसे प्रति यूनिट की दर लागू होगी, जैसा कि इस वर्ष अक्तूबर में एपीडीसीएल द्वारा निर्धारित किया गया था।

कांग्रेस ने बनाया ...

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल थे। कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा हाल ही में शीतकालीन सत्र के दौरान सभापति का मिमिक्री का वीडियो बनाया था, जिसके बाद यह मामला तूल पकड़ता गया। इस घटना के बाद सभापति ने इस पर दुख प्रकट किया था। उन्होंने कहा कि यह उनका स्वभाव है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनके सामने उस वक्त कौन होता है। इस दौरान मिमिक्री का वीडियो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रिकॉर्ड किया था। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा था कि मन में बहुत सम्मान है, उनको ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा राज्यसभा सभापति की मिमिक्री पर टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिक महत्व नहीं दिया था। लेकिन उन्होंने दावा किया था कि अगर राहुल गांधी वीडियो नहीं बनाते तो शायद यह इतना वायरल नहीं होता। बता दें टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा की गई मिमिक्री के बाद से ही टीएमसी समेत कई विपक्षी दलों की सोशल मीडिया पर आलोचना होने लगी थी। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा के सभापति ने कहा था कि मुझे यह देखकर बेहद दुख हुआ है। यह मेरा नहीं, बल्कि पद का अपमान किया गया है। साथ ही उन्होंने विपक्षी सांसदों के संदेश देते हुए कहा था कि कांग्रेस के एक बड़े नेता ने रोकने के बजाए वीडियो बनाया था। जिसके बाद से यह मामला सोशल मीडिया तक जा पहुंचा था।

आरबीआई ऑफिस को...

ईमेल भेजा गया जिसमें आरबीआई की नई केंद्रीय कार्यालय इमारत, चर्चगेट में एचडीएफसी हाउस और बांद्रा-कुर्ला कॉप्लेक्स में आईसीआईसीआई बैंक टावर में बम धमाके की धमकी दी गयी। एफआईआर के अनुसार, ईमेल भेजने वाले व्यक्ति ने विस्फोट करने की धमकी देते हुए मांग की कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें और *बैंकिंग घोटाले* के खुलासे को लेकर एक विस्तृत बयान जारी करें। इसमें ईमेल के हवाले से कहा गया है कि मुंबई में विभिन्न स्थानों पर 11 बम लगाए गए हैं और फोर्ट में आरबीआई की नई केंद्रीय कार्यालय इमारत, चर्चगेट में एचडीएफसी हाउस और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में आईसीआईसीआई बैंक टावर में दोपहर 1:30 मिनट पर विस्फोट होंगे। सभी 11 बम में एक के बाद एक विस्फोट होगा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उन सभी स्थानों की तलाशी ली जिनका जिक्र ईमेल में था लेकिन इन स्थानों पर कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि आरबीआई के हेड गार्ड की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505-1 बी (आपदा या उसकी गंभीरता के बारे में गलत चेतावनी प्रसारित करना जिससे कि अफरातफरी की स्थिति पैदा हो), 505-2 (शरारतपूर्ण बयान देना) और 506-2 (आपराधिक धमकी) समेत विभिन्न धाराओं के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

डीपफेक वीडियो को ...

बढ़ती चिंताओं से संबंधित हैं। मंत्रालय ने अपनी सलाह में कहा है कि आईटी नियमों के तहत ऐसी सामग्री के बारे में उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट एवं सटीक ढंग से सूचित किया जाना चाहिए, जिनकी अनुमति नहीं है। उपयोगकर्ता के पहली बार पंजीकरण करने के समय भी इसके बारे में स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए। एडवाइजरी के मुताबिक, डिजिटल मंचों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपयोगकर्ताओं को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और आईटी अधिनियम, 2000 जैसे दंडात्मक प्रावधानों के बारे में जानकारी दी जाए। इसके साथ ऑनलाइन मंचों के उपयोग की सेवा शर्तों और उपयोगकर्ता समझौतों में स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि प्रासंगिक भारतीय कानूनों के तहत कानून प्रवर्तन एजेंसियों को कानूनी उल्लंघनों की जानकारी देना मध्यस्थों/मंचों का दायित्व है। ऑनलाइन मंचों का यह दायित्व होगा कि वे उपयोगकर्ताओं को डिजिटल मध्यस्थों पर निषिद्ध सामग्री से संबंधित किसी भी सूचना को होस्ट करने, प्रदर्शित करने, अपलोड करने, संशोधित करने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने, संग्रहीत करने, अपडेट करने या साझा करने से रोकने के लिए उचित प्रयास करें। डीपफेक का आशय इंटरटेनट पर उपलब्ध सामग्री में छेड़छाड़ कर उसे गलत ढंग से पेश करना है। इसमें कृत्रिम मेधा के जरिये किसी भी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश करने या उसका प्रतिरूपण करने के लिए डिजिटल हेराफेरी की जाती है। हाल ही में कुछ फिल्मी हस्तियों को डीपफेक की मदद से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। इससे फैली सार्वजनिक चिंता को देखते हुए सरकार ने इस संबंध में सलाह जारी की है।

विपक्ष ने वर्ण पोस्ट ...

में वर्ण व्यवस्था के खिलाफ बोलते हुए कहा था कि इसे जाति की अवधारणा के साथ त्यागने की जरूरत है । नागपुर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर भागवत ने मराठी में कहा था कि जाति व्यवस्था की अब कोई प्रासंगिकता नहीं है और यह अतीत की बात है। भेदभाव का कारण बनने वाली हर चीज को लॉक, स्टॉक और बैरल से बाहर कर देना चाहिए। शर्मा के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, सीपीआई (एम) ने एक बयान में कहा कि हम असम के सीएम हिमंत विश्व के उस ट्वीट की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें दावा किया गया है कि शूद्रों को ब्राह्मणों, क्षत्रियों और वैश्यों की सेवा करनी है। भाजपा की मनुवादी विचारधारा पूरी तरह सक्रिय है। झा ने पूछा कि 2023 में खड़े होकर, इस महान सभ्यता की प्राथमिकता क्या होनी चाहिए? और इसके बजाय हम किसका पीछा कर रहे हैं? यह अपने चरम पर प्रतिगामी राजनीति है। एक आकांक्षी राष्ट्र ऐसी चीजों के साथ सहज नहीं रह सकता। मेरे पास असम के सीएम से एक बड़ा सवाल है - वह इसके साथ *जाति का विनाश* कैसे पढ़ेंगे? जाति का उन्मूलन बीआर अंबेडकर का मौलिक ग्रंथ है, जो मूल रूप से एक अप्रकाशित भाषण है, जो सदियों से भारत में जाति व्यवस्था द्वारा कायम असमानताओं और भेदभाव से निपटता है। कांग्रेस नेता उदित राज ने आरोप लगाया कि शर्मा की पोस्ट *आरएसएस मानसिकता* का प्रतिबिंब थी। राज ने दिप्रिंट को बताया कि वे (भाजपा) इस धारणा और प्रथा को कायम रखना चाहते हैं कि निचली जाति के लोग केवल छोटे-मोटे काम करने के लिए हैं।

दोषियों को पाताल...

ने आईएनएस इम्फाल पर कहा कि भारतीय नौसेना में आईएनएस इम्फाल का शामिल होना रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता दिखाता है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति एमडीएल और नौसेना की प्रतिबद्धता दिखाता है। इसके निर्माण में सभी हितधारकों की कड़ी मेहनत और समर्पण शामिल है। उन्हें पूरा भरोसा है कि बेड़े में आईएनएस इम्फाल के शामिल होने से भारतीय नौसेना मजबूत होगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैती, ड्रोन हमलों से निपटने के लिए पी-8आई विमान, डोर्नियर्स, सी गार्डियन, हेलीकॉप्टर और तटरक्षक जहाज संयुक्त रूप से तैनात किए गए हैं। व्यापारिक जहाजों पर समुद्री डकैती और ड्रोन हमलों से निपटने के लिए चार विध्वंसक तैनात किए गए हैं।

पीएम मोदी यूट्यूब ...

जो नरेंद्र मोदी यूट्यूब चैनल के एक तिहाई से थोड़ा कम है। सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करने वाले नरेंद्र मोदी चैनल ने न केवल भारत में राजनीतिक समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है, बल्कि सब्सक्राइबर्स संख्या और वीडियो दृश्य दोनों के मामले में वैश्विक नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। यह घोषणा तब हुई जब चैनल ने 4.5 बिलियन (450 करोड़) वीडियो व्यूज का प्रभावशाली मील का पत्थर हासिल किया, जिससे लोकप्रिय वीडियो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक संचार के क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत हो गई।

ममता को उनके ...

सांसद लॉकेट चटर्जी, आसनसोल दक्षिण से विधायक अग्निमित्रा पॉल, जगन्नाथ चटर्जी, जतिर्मय सिंह महत और दीपक बर्मन शामिल हैं। पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा क्षेत्र हैं। 2019 में, तृणमूल कांग्रेस ने 22 सीटें जीतीं, लेकिन भाजपा से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा, जिसने 18 सीटें जीतीं। बाकी दो सीटें कांग्रेस के खाते में गईं। आगामी चुनावों के लिए, अमित शाह ने 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है और नए साल से पहले पार्टी सदस्यों के साथ रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। भाजपा पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में भी पश्चिम बंगाल में अपनी पूरी ताकत लगाई थी। विधानसभा चुनाव में पार्टी 200 प्लस का लक्ष्य लेकर चली थी। हालांकि वह 77 सीटें ही जीत सकी। हालांकि, पार्टी का प्रदर्शन जबरदस्त रहा और उसने लगभग 38 फीसदी वोट को प्राप्त किया था। 2024 चुनाव में भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल जरूरी है। 18 तो वह जीतना चाहती ही हैं, साथ ही 35 प्लस के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर देखें तप पश्चिम बंगाल को लेकर भाजपा लगातार नए प्लान बना रही है और उसे जमीन पर रणनीति के तहत उतारने की कोशिश में है। ऐसे में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की भी मुश्किल पढ़ने वाली है।

दिल्ली में इजरायली...

से कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई थी। इस दौरान कई कारों को नुकसान हुआ था। ब्लास्ट में कई कारों के शीशे टूट गए। बता दें कि इससे पहले भी इजरायली दूतावास के पास कार पर हमला हुआ था। इजराइली दूतावास की कार में यह धमाका 2012 की फरवरी में हुआ था। बदमाशों ने दोपहर करीब साढ़े तीन बजे इस घटना का अंजाम दिया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक सफदरजंग रोड पर बाइक पर सवार होकर दो हमलावर दूतावास के पास आए थे। दूतावास की इनोवा गाड़ी की खिड़की पर कुछ चिपकाकर फरार हो गए। इसके कुछ मिनटों बाद ही धमाका हो गया।

इजराइली सेना ने ...

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को चेतावनी दी कि लड़ाई *खत्म* होने के करीब नहीं है। हाल में इजराइल की ओर से किया गया हमला सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अब तक 20,600 फिलीस्तीनी नागरिक मारे गए हैं जिनमें दो तिहाई बच्चे और महिलाएं हैं। मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है। इस बीच इजराइल-हमास युद्ध से क्षेत्र के आसपास तनाव बढ़ने के नए संकेत मिले हैं। सीरिया में एक इजराइली हवाई हमले में एक ईरानी जनरल की मौत हो गई, जिससे ईरान की ओर से बदला लेने के संकल्पों की शुरुआत हो गई है। अमेरिकी लड़ाकू विमान ने ईरान समर्थित चरमपंथियों को इराक में निशाना बनाया जिन्होंने एक ड्रोन हमला करके वहां एक अमेरिकी सैनिक को घायल कर दिया था। मध्य गाजा के निवासियों ने मंगलवार को गोलाबारी और हवाई हमलों की रात का वर्णन किया, जिससे नुसीरत, मघाजी और ब्यूरिज स्थित शिविर में रहने वाले लोग दहल गए। ये शिविर बसाए गए कस्बे हैं जिनमें 1948 के युद्ध के दौरान वर्तमान इजराइल स्थित अपने घरों से निकाले गए फलस्तीनी लोगों और उनके वंशजों को रखा गया है। अब इन शिविरों में उत्तर से भागे लोगों के आने से भीड़ बढ़ गई है। फलस्तीनी शिक्षक राडवान अबू शेट्टा ने ब्यूरेज में अपने घर से फोन पर कहा कि बमबारी बहुत तीव्र थी। उन्होंने इजरायली सैनिकों के बारे में कहा कि ऐसा लगता है कि वे आ रहे हैं। हमास की सैन्य शाखा *कासमी ब्रिगेड* ने कहा कि उसके लड़कों ने ब्यूरेजी के पूर्व में एक इजराइली सैन्य टुकड़ी पर हमला किया है। इसकी रिपोर्ट की स्वतंत्र रूप से अभी पुष्टि नहीं की जा सकी है, लेकिन इससे पता चलता है कि इजराइली सेना शिविर की तरफ बढ़ रही है। युद्धक विमानों और तोपखाने से नुसीरात शिविर के पूर्व के इलाकों पर भी हमला किया गया। एक फलस्तीनी मछुआरे एजेल-दीन मोहम्मद अब्दुल्ला अल-मसरी ने कहा कि बमबारी के कारण हम सो नहीं सके। अल-मसरी अपने पांच बच्चों और अन्य परिवार के साथ उत्तरी गाजा से क्षेत्र में विस्थापित हो गए थे। उन्होंने कहा कि हम डरे हुए हैं। बता दें कि इजराइली सैनिक उत्तरी गाजा में हमास और अन्य चरमपंथियों के साथ लगभग दो महीने से जमीनी लड़ाई और खान यूनिस में कई हफ्तों से शहरी लड़ाई में जुटे हुए हैं। लड़ाई और बमबारी ने दोनों क्षेत्रों के बड़े हिस्से को नेस्तनाबूद कर दिया है और पूरे क्षेत्र में हमले जारी हैं। इजराइली सेना ने मंगलवार को दो और सैनिकों की मौत की घोषणा की, जिससे जमीनी हमले में मारे गए सैनिकों की कुल संख्या 158 हो गई है। चरमपंथियों ने सोमवार देर रात इजराइल पर रॉकेट की बौछार कर दी, जिससे दक्षिणी शहर अश्कलोन में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। जानमाल के नुकसान की कोई तत्काल सूचना नहीं मिली है। हमास ने सात अक्तूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमला कर दिया था जिसमें करीब 1200 लोगों की मौत हो गई जिसमें ज्यादातर आम नागरिक हैं। इसके अलावा हमास ने 240 लोगों को बंधक भी बना लिया था। इसके बाद इजराइल ने जवाबी शुरू की और हमास-इजराइल युद्ध की शुरुआत हो गई। इजराइल ने कहा है कि उसका लक्ष्य 100 बंधकों को छुड़ाने का है जिन्हें अब भी गाजा में कैद करके रखा गया है।

पति के सामने ...

सवाल उठाते हुए उसे नामर्द कहना और उसे मर्दानगी साबित करने के लिए मेडिकल टेस्ट कराने के लिए बाध्य करना मानसिक क्रूरता है। पत्नी का इस तरह का बर्ताव तलाक का ठोस आधार बनता है। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सुरेश कैत और जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने तलाक की डिक्री के फैसले के खिलाफ महिला द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। दिल्ली निवासी महेश की शादी रीना (दोनों काल्पनिक नाम) से 2000 को हुई थी। पत्नी के शकी स्वभाव से उनमें झगड़े होने लगे। पत्नी सार्वजनिक तौर पर उसे बेइज्जत भी करती थी।

लोग शराब प्राचीन काल से ही पीते आ रहे हैं : शुक्लवैद्य

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में शराब लोग प्राचीन काल से ही पीते आ रहे हैं। आबकारी आदि मामलों के मंत्री परिमल शुक्लवैद्य ने कहा है कि शराब लोग प्राचीन काल से ही पीते आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि आज शराब की जगह-जगह दुकानें खुल जाने के कारण लोगों ने पीना शुरू कर दिया है। मंत्री शुक्लवैद्य ने कहा कि यह बात अलग है कि लोग पहले अलग-अलग तरीके के देसी शराब तथा अन्य तरीके से निर्मित शराब पीते थे और आज एफएमसीएल यानी विदेश में निर्मित देसी शराब पीते हैं। उन्होंने कहा कि वे बार-बार लोगों से अपील करते हैं कि वन भोज स्थल पर शराब नहीं पिएं। वनभोज स्थल पर परिवार और मित्रों के साथ जाकर पूरे दिन आनंद लें, न कि इसे अलग कोई विकृत रूप दें। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में लोगों से बार-बार अनुरोध किया जाता रहा है कि वे शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएं। मंत्री ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह से दुर्घटनाओं में लोगों के प्राण जा रहे हैं। उन्होंने राज्य की जनता से अपील की कि शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएं। एक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि वे अब तक 90 जन जागरण यात्राएं कर चुके हैं। राज्य के सभी 126 विधानसभा क्षेत्र में यह यात्रा करने की उनकी योजना है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा लोगों को परिवहन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस दौरान मंत्री ने पत्रकारों के कई प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री जरदोश ने राज्यपाल से की मुलाकात

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय कपड़ा और रेल राज्य मंत्री दर्शन विक्रम जरदोश ने आज यहां राजभवन में अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक से मुलाकात की। उन्होंने टेक्सटाइल को बढ़ावा देने और रेलवे सेवा में सुधार पर चर्चा की। राज्यपाल ने राज्य में उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर जोर दिया, जिसमें एक जीवंत कपड़ा खंड है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की बड़ी संख्या में महिलाएं कपड़ा क्षेत्र में शामिल हैं और मंत्रालय की ऐसी सक्रिय भूमिका सही मायने में अरुणाचली महिलाओं के बीच *आत्मनिर्भरता* को मजबूत करेगी। राज्यपाल ने राज्य में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के विकास को बढ़ावा देकर अरुणाचल प्रदेश के पारंपरिक वस्त्रों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देने के साथ रोजगार के अवसरों के लिए विकास का इंजन होगा।

अल्फा के साथ त्रिपक्षीय समझौता 29 को

गुवाहाटी (हिंस)। सरकार के साथ युद्ध विराम समझौता के तहत बातचीत कर रहे प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन युनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असाम (अल्फा-प्रो टॉक) के साथ 29 दिसंबर को त्रिपक्षीय समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया जाएगा। आज दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री के साथ बातचीत करने के बाद अल्फा के महासचिव अनूप चेतिया ने मीडिया को बताया कि समझौता पत्र का मसौदा तैयार कर लिया गया है। अब तक की स्थिति से अल्फा संतुष्ट है। कुछ बिंदुओं पर बातचीत जारी है, जिसे कल तक अंतिम रूप दे दिया जाएगा। अल्फा महासचिव ने कहा कि 29 दिसंबर को होने वाले इस ऐतिहासिक समझौते के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से गृह मंत्रालय के पूर्वोत्तर मामलों के सचिव इस समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे। जबकि, असम सरकार की ओर से राज्य के मुख्य सचिव एवं अल्फा की ओर से अल्फा के अध्यक्ष अरविंद राजखोवा इस त्रिपक्षीय समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करेंगे। अल्फा महासचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के विशेष प्रयास की वजह से सब कुछ संभव हो पा रहा है।

गेको छिपकली के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक तस्कर को लुप्तप्राय प्रजाति की गेको छिपकली के साथ गिरफ्तार किया। सीमा सुरक्षा बल, गुवाहाटी फ्रंटियर के अंतर्निहित कर्मियों द्वारा सीमा पार अपराधों और तस्करी पर निरंतर अंकुश लगाने एवं तस्करी के विरुद्ध अभियान में, सीमा सुरक्षा बल गुवाहाटी फ्रंटियर के सतर्क सीमा प्रहरियों ने तस्करी के एक और प्रयास को विफल करते हुए भारत-बांग्लादेश अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर एक तस्कर को एक लुप्तप्राय प्रजाति के गेको छिपकली के साथ गिरफ्तार किया। सीमा सुरक्षा बल को मिली पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर सीमा सुरक्षा बल एवं वन विभाग के एक संयुक्त अभियान में 31वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल के सतर्क सीमा प्रहरियों ने भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित धुबड़ी जिले के

पश्चिम मैशा गांव से एक भारतीय तस्कर को 10 लाख रुपए अनुमानित मूल्य की एक लुप्तप्राय प्रजाति गेको छिपकली के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए तस्कर और जब्त किए गए सामान को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु निकटतम थाना को सौंप दिया गया।

कराटे प्रतियोगियों में नाफिया खानम ने बढ़ाया रंगिया का मान

रंगिया (विभास)। असम सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त असम ओलंपिक एसोसिएशन के तहत गुवाहाटी के कर्मवीर नवीन चंद्र बरदलै इंडोर स्टेडियम में दिनांक 22 दिसंबर से 24 दिसंबर 2023 तक आयोजित राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में रंगिया की प्रतिभा निखर कर आई है। जानेमाने कराटे प्रशिक्षक तथा विशिष्ट पत्रकार आबू सालेह की पुत्री नाफिया खानम ने कुमिटे कैडेट इवेंट +61 किलोग्राम में स्वर्ण पदक हासिल कर रंगिया का मान बढ़ाया है।

अमीनगांव में खेल महारण 2023 का शुभारंभ

खेल हमें टीम वर्क, अनुशासन और समन्वय सिखाने का एक अद्भुत तरीका है : मंत्री पटवारी

रंगिया (विभास)। अमीनगांव में जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र स्तरीय खेल महारण का शुभारंभ मंगलवार को कामरूप जिला के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी द्वारा किया गया। अमीनगांव के रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल खेल मैदान प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री पटवारी ने कहा कि खेल टीम वर्क, अनुशासन और समन्वय सीखने का अद्भुत तरीका है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि *खेल महारन-2023* के राज्यस्तरीय खेल में कामरूप जिले का विशेष दबदबा रहेगा। कामरूप जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए उन्होंने लवलीना बरगोहाई, हिमा दास आदि के बारे में बताते हुए कहा कि खेल में बाधा आ सकती है, जो लोग बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ सकते हैं, वें लोग ही अंत में सफल हो सकते है। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत

विश्व शर्मा ने खेल महारण और सांस्कृतिक महासंगम के माध्यम से गांवों की छिपी प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए उठाए गए मजबूत कदम के लिए भी आभार व्यक्त किया। वन एवं पर्यावरण मंत्री पटवारी ने खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय पदक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन करने का आह्वान करने के साथ उन्हें बधाई दी। आज इस जालुकबारी विधानसभा स्तरीय खेल के पहले दिन, लड़के और लड़कियों के लिए 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर और 800 मीटर की दौड़ आयोजित की गई जिसमें 22 ग्राम पंचायत और जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र की एक पौरसभा के करीब 4,000 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, फुटबॉल और अन्य खेल प्रतियोगिताएं रेलवे उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान प्रांगण सहित उत्तरी गुवाहाटी महाविद्यालय खेल परिसर और चांगसारी उच्चतर माध्यमिक खेल परिसर में आयोजित की गयी। आज के कार्यक्रम में कामरूप जिले के राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। उद्घाटन बैठक में कामरूप जिला की आयुक्त कीर्ति जल्ली, जिला पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र रॉय, जिला विकास आयुक्त नर्सिंग बे आदि भी मौजूद रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. जीवन कृष्ण गोस्वामी ने अभिनंदन भाषण दिया। और अतिरिक्त आयुक्त मुनमी कलिता, कामरूप जिला के खेल अधिकारी खनिन्द्र मुदेई, कामरूप जिला के जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा आदि सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, उत्तर पूर्व सीमांत रेलवे के अधिकारी व कर्मचारियों, गांव पंचायत समूहों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा के 89वें स्थापना दिवस का आयोजन

सम्मेलन ने घर-घर जाकर बुजुर्गों का किया सम्मान

होजाई (होसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के 89वें स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन की होजाई शाखा ने बुजुर्गों का सम्मान किया। उक्त सम्मान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सम्मेलन का एक प्रतिनिधि मंडल तथा अध्यक्ष निरंजन सरावगी, उपाध्यक्ष महेश चनानी, सचिव प्रमोद मोर, सहसचिव परवीन सरावगी, कोषाध्यक्ष दीपक चनानी, पूर्व सचिव राजेश केजरीवाल एवं रमेश मुंदड़ा, सीताराम दायमा, मनोज तोलावत आदि ने संयुक्त रूप से बुजुर्गों के घर-घर जाकर शॉल एवं मिठाई प्रदान कर आर्शीवाद लिया। सम्मनित बुजुर्ग व्यक्तियों में परमानंद सुरेका, कामाख्या प्रसाद सरावगी, तेजप्रताप चनानी हीरालाल खखोलिया, सज्जन शर्मा, केशरदेव शर्मा धर्म चंद जैन, सीताराम दायमा आदि शामिल हैं। आयोजित कार्यक्रम को लेकर युवा नवीन खाखोलिया ने सम्मेलन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए आगामी दिनों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान काफी सम्मान बढ़ेगी।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के नाहरकटिया गार्डन गेट पर हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हुई। मृतक की पहचान उत्तम माटी गांव के मंदना दे के रूप में हुई है। मृतक के घर लौटते समय यह दुर्घटना हुई।

मादक पदार्थ के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा वार्ड नंबर 8 में गोथोल रोड पर एक डीजल-ऑटो को रोका और 257 ग्राम वजन के मादक पदार्थ से भरे 20 साबुनदानी को ले जाने के आरोप में मोहम्मद हेसामुद्दीन नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की होजाई शाखा ने मनाया अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मोत्सव

होजाई (होसं)। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की होजाई शाखा ने एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मोत्सव मनाया। स्थानीय गांधी विद्यापीठ विद्यालय के प्रांगण में छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष निरंजन सरावगी ने वाजपेयी जी की फोटो के सामने द्वीप प्रज्ज्वलित माल्यार्पण की। साथ ही केक काटकर वितरीत की गई। इस मौके पर उपस्थित गांधी विद्यापीठ के प्रधानाध्यापक आलोक गुप्ता सहित सभी शिक्षकों का राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की सदस्याओं ने फुलाम गामोछा पहनाकर उन्हें सम्मान किया। साथ ही विद्यापीठ संचालन समिति के सदस्य प्रताप कयाल एवं मारवाड़ी पंचायत के सचिव रमेश मुंदड़ा का भी फुलाम गामोछा से सम्मानित किए गए। उक्त अवसर पर शिक्षक राजीव गुप्त ने वाजपेयी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए युग पुरूष की संज्ञा दी। वहीं छात्र-छात्राओं के बीच फल-फूल वितरण किए गए।

मणिपुर पुलिस ने 276 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में भारतीय दंड संहिता (संशोधित भारतीय न्याय संहिता, विधायिकाधीन) की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 276 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 302 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 222 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 142 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

सरकारी स्कूल में भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा ने दिया सहयोग

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की ओर से जारी अटल सेवा सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को आमबाड़ी तिनाली स्थित सरकारी स्कूल मे बच्चो को 25 डेस्क, कुर्सी, दो डस्टबिन, दो पंखे व खाद्य वस्तुएं दी। कार्यक्रम का संचालन व स्वागत भाषण प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने किया। उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे मानव सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए कहा की संस्था की और से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयि के जन्मदिन के उपलक्ष में अटल सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम सयोजीका दीपू जोशी, माया शर्मा व संजू शर्मा की देख रेख में आयोजित इस कार्यक्रम में सस्ता की ओर से डिंपल शर्मा, शांति कुंडलिया, ममता शर्मा, मधु लूणीया, रेखा गोयल, सपना सराफ, रीता अग्रवाल, ज्योति जोधानी, सरोज काकड़ा, नीतू गोयनका, बिना जैन, सरला बजाज, अनीता गुप्ता, दीपिका अग्रवाल आदि सदस्याए उपस्थित उपस्थित थी। इस मौके पर स्कूल की ओर से संस्था द्वारा दिए गए सहयोग हेतु सभी सदस्याओ के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

निपुण भारत मिशन के तहत असम में शिक्षकों के लिए राज्यव्यापी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

गुवाहाटी। समग्र शिक्षा असम और स्टेट काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी), असम ने लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) के सहयोग से प्रमुख संसाधन व्यक्तियों और संसाधन व्यक्तियों के एक राज्यव्यापी प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य असम में 1 लाख से अधिक एफएलएन शिक्षकों को बाद में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) से संबंधित शिक्षण और सीखने के संसाधनों के कुशल उपयोग के बारे में जागरूक करना था। यह प्रयास निपुण एक्सॉन मिशन के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य ग्रेड 1 से 3 तक के बच्चों के बीच साक्षरता और संख्यात्मक परिणामों में सुधार करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन अलग-अलग स्तरों पर संचालित किया गया जिनमें राज्य, जोन और ब्लॉक स्तर शामिल थे। राज्य स्तर पर कुल 88 प्रमुख संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। इन व्यक्तियों ने बाद में 1761 संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसमें ष्ठढ्ढश्वञ्ज संकाय, जिला संसाधन समूह के सदस्य, ब्लॉक संसाधन व्यक्ति, क्लस्टर संसाधन समन्वयक और 12 क्षेत्रों के विशेषज्ञ शिक्षक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर पर असम के 33 क्षेत्रों के सभी संसाधन व्यक्ति शामिल हैं। प्रशिक्षण मॉड्यूल 8 भाषाओं में पेश किए गए, जो असम में प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम हैं। एलएलएफ विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी और कोर स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्यों के सहयोग से इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, धीर झिंगरनने सहयोगात्मक प्रयासों के प्रति अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि यह सामूहिक प्रयास प्रत्येक बच्चे के लिए एक ठोस भाषा और साक्षरता नींव की गारंटी के उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समग्र शिक्षा असम और एससीईआरटी, असम के साथ हमारी साझेदारी बड़े पैमाने पर बुनियादी शिक्षण परिणामों को बढ़ाने के लिए सरकारी प्रणालियों के साथ सहयोग करने के हमारे समर्पण की पुष्टि करती है। इसके अलावा राज्य संसाधन समूह की सदस्य मल्लिका दत्ता ने कहा कि तैयार की गई सामग्री बहुत आकर्षक रही है और बच्चे उन्हें बहुत पसंद कर रहे हैं। यह पहल दो मिलियन शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण विधियों और शैक्षिक परिणामों में सुधार के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करने के एलएलएफ के लक्ष्य के अनुरूप है। परिणामस्वरूप, 190,000 स्कूलों में लगभग 30 मिलियन बच्चों के सीखने के परिणामों में संभावित रूप से सुधार होगा।

मणिपुर में देसी पंपी बंदूक बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में एक देसी पंपी बंदूक बरामद की गई है। पुलिस द्वारा आज दी गई औपचारिक जानकारी के अनुसार राज्य के इंफाल पूर्व, कांगपोकपी और थौबल जिले के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया। जिसमें कांगपोकपी जिले के न्यू कीथलमंबी थानाक्षेत्र के एइजेजंग गांव से एक देसी पंपी बंदूक बरामद की गई। सुरक्षा बल राज्य में अभियान चला रहे हैं।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा का 89वां स्थापना दिवस आयोजित

नगांव (निसं)। शहर के शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति भवन में 89वां स्थापना दिवस कार्यक्रम मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के तत्वावधान मे सोमवार को आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा नगांव के पूर्व अध्यक्ष किशोरी लाल कोठारी उपस्थित थे। अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया ने सर्वप्रथम फुलाम गामोछा द्वारा मुख्य अतिथि श्री कोठारी का अभिनंदन किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के कर कमल से झंडोतोलन कर दीप प्रज्ज्वलित का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी पूर्व अध्यक्ष, सलाहकार एवं सदस्यों ने भी दीप प्रज्ज्वलन में अपनी सहभागिता निभाई। मुख्य अतिथि किशोरी लाल कोठारी ने अपने संबोधन में मारवाड़ी भाषा को सरकारी स्तर पर पहचान दिलाने हेतु आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अजय मित्तल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन सह सचिव अरुण नागरका ने प्रस्तुत किया। इस

अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मानक चंद नाहटा, पवन गाड़ोदिया, अनिल शर्मा, ललित कोठारी, वर्तमान उपाध्यक्ष रतन जाजोदिया,अजित माहेश्वरी, संजय मित्तल, कोषाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल के साथ जगदीश प्रसाद लोहिया राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा, महेंद्र करवा, जीवनमल सुराणा, विनोद पोद्दार, विनोद बोथरा, दिलीप अग्रवाल, झूमर मल दुग्गड़, सज्जन गाड़ोदिया, महेश भजनका, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया, नगांव राजस्थानी युवक संघ के अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा की अध्यक्षा श्रीमती हीरा गाड़ोदिया के साथ समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरुण नागरका का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार की व्यवस्था भवन प्रांगण में ही की गई थी।

संपादकीया

हवा हो गया दबदबा

केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ की 'दबदबे' वाली टीम को निलंबित कर दिया। मान्यता छीन ली गई। कुश्ती के नेपथ्य से जो दबदबा झांक रहा था, उसे भी हवा कर दिया गया। बहुत देर से फैसला लिया गया, लेकिन वह सटीक और न्यायिक कहा जा सकता है। कमोबेश वे पहलवान देश के सामने रोते हुए, प्रताड़ित और आक्रोशित नहीं दिखने चाहिए, जिन्होंने ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीते थे। वे आज भी देश की आन, बान, शान हैं। उन्होंने खेल के मैदान पर 'तिरंगे' का सम्मान कमाया और जिया है। समझ नहीं आता कि एक तरफ खिलाड़ी 'राष्ट्रदूत' हैं और दूसरी तरफ उनके साथ यौन-व्यभिचार की कोशिशें की जाती रही हैं। देश की सत्ता ने यह नौबत ही क्यों आने दी? एक सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष का इतना दबदबा कैसे संभव है? यह लोकतंत्र है या अनाचार का कोई अड्डा..! कमोबेश मोदी सरकार में ऐसी निरंकुशता और उत्पीडन कतई अस्वीकार्य है। भारतीय कुश्ती संघ के चुनावों का आडंबर जरूर रचा गया था, लेकिन 'बाहुबली अध्यक्ष' की टीम ही चुनी गई थी, लिहाजा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के 'दबदबे वाले पोस्टर' चिपकाए गए थे। खेल मंत्रालय के निलंबन आदेश के बाद स्पष्टीकरण शुरू हुए कि कुश्ती से अब उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह कुश्ती से रिटायर हो चुके हैं। 'दबदबे वाले पोस्टर' से अहंकार की बू आती थी, लिहाजा उन्हें हटवा दिया गया।' ऐसे स्पष्टीकरण इसलिए दिए जा रहे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव करीब हैं। नया जनादेश लेना है। लोकतंत्र ने दबदबे और यौनाचार वाले बाहुबलियों की ताकत को निचोड़ कर रख दिया है। देश की संवेदनाएं और सहानुभूतियां 'पद्मश्री' लौटाते बजरंग पुनिया, कुश्ती से आंसू भरी विदाई लेती साक्षी मलिक और रोती-सुबकती विनेश फोगाट के प्रति रही हैं। देश ने उन्हें सम्मानित किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अपना परिवार माना था, उनकी ही आंखों में आंसू हैं या वे सडक़ पर न्याय मांग रहे हैं, तो सत्ता मौन और तटस्थ क्यों है? यौन-उत्पीडन का न्याय कब मिलेगा? दरअसल हमारी पूरी व्यवस्था में ही संशोधन की गुंजाइश है। कुश्ती संघ का निलंबन ही पर्याप्त नहीं है। ब्रजभूषण के नापाक मंसूबों और हरकतों के मद्देनजर जो जांच जारी है और आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया जा चुका है, सरकार उसमें हस्तक्षेप करे और दबदबों को एक निश्चित निष्कर्ष तक पहुंचाए। कमोबेश हमारे पदकवीर खिलाड़ी पीड़ित या शोषित नहीं होने चाहिए। उन्होंने देश और कुश्ती के लिए अपना बचपन और यौवन सब कुछ झोंक दिया है, तब ओलंपिक पदक नसीब हुए हैं। क्या किसी एक जमात की हवस और उनके दबदबे के लिए खेल और खिलाडिय़ों की बलि दे दी जाए? दरअसल राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 ऐसी कानूनी बाध्यता है, जिससे सभी खेल संघ जुड़े हैं और उन्हें जवाबदेह बनाते हैं। खेल संघों में एकाधिकार की स्थिति है, लेकिन वे सार्वजनिक चंदा या आर्थिक मदद भी स्वीकार करते हैं। चुनाव के बावजूद कुश्ती संघ का दफ्तर ब्रजभूषण के सांसद निवास से ही चल रहा था। इसी जगह महिला पहलवानों का यौन उत्पीडन किया जाता था, ऐसे आरोप लगाए गए हैं। यानी चुनाव के बाद भी सत्ता का ढांचा यथावत ही रहा। इसके अलावा जूनियर पहलवानों की प्रतियोगिता को लेकर दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया, लिहाजा संघ के संविधान के उल्लंघन पर निलंबित किया गया। अब भारतीय ओलंपिक संघ को ही दायित्व सौंपा गया है कि वह एक तदर्थ समिति बनाए, जो कुश्ती संघ के कामकाज को देखे। यह अस्थायी व्यवस्था है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा यौन उत्पीडन का है। महिला पहलवानों के कुछ बेहद निजी, गंभीर आरोप मीडिया में छपे हैं, लेकिन अदालत का निर्णय ही पहलवानों को न्याय दे सकता है। यह फास्ट कोर्ट के स्तर पर किया जाना चाहिए था, ताकि फैसला लोकसभा चुनाव से पहले आ सके और दबदबे वाली राजनीति प्रभावित हो सके।

कुश्ती के नेपथ्य से जो दबदबा झांक रहा था, उसे भी हवा कर दिया गया। बहुत देर से फैसला लिया गया, लेकिन वह सटीक और न्यायिक कहा जा सकता है। कमोबेश वे पहलवान देश के सामने रोते हुए, प्रताड़ित और आक्रोशित नहीं दिखने चाहिए, जिन्होंने ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए पदक जीते थे। वे आज भी देश की आन, बान, शान हैं। उन्होंने खेल के मैदान पर 'तिरंगे' का सम्मान कमाया और जिया है। समझ नहीं आता कि एक तरफ खिलाड़ी 'राष्ट्रदूत' हैं और दूसरी तरफ उनके साथ यौन-व्यभिचार की कोशिशें की जाती रही हैं। देश की सत्ता ने यह नौबत ही क्यों आने दी? एक सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष का इतना दबदबा कैसे संभव है? यह लोकतंत्र है या अनाचार का कोई अड्डा..! कमोबेश मोदी सरकार में ऐसी निरंकुशता और उत्पीडन कतई अस्वीकार्य है। भारतीय कुश्ती संघ के चुनावों का आडंबर जरूर रचा गया था, लेकिन 'बाहुबली अध्यक्ष' की टीम ही चुनी गई थी, लिहाजा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के 'दबदबे वाले पोस्टर' चिपकाए गए थे। खेल मंत्रालय के निलंबन आदेश के बाद स्पष्टीकरण शुरू हुए कि कुश्ती से अब उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह कुश्ती से रिटायर हो चुके हैं। 'दबदबे वाले पोस्टर' से अहंकार की बू आती थी, लिहाजा उन्हें हटवा दिया गया।'

लोकतांत्रिक निर्णयों का आधार बनने वाली प्रणालियों पर धीरे-धीरे कम हो रहा भरोसा

इंडिया गठबंधन को मिलकर मुकाबला करना होगा

ललित गर्ग

संसदीय अवरोध, विपक्षी दलों के 143 सांसदों के निलम्बन एवं उपराष्ट्रपति की मिमिक्री करने की घटनाओं से आक्रामक हुए राजनैतिक माहौल के बीच 28 पार्टियों का इंडिया गठबंधन विपक्षी दलों के साथ चौथी बार फिर से दिल्ली में एक छत के नीचे आया। बैठक का उद्देश्य था कि विपक्षी दलों के बीच सीट शेयरिंग एवं संयोजक के नाम पर सहमति सहित कई मुद्दों पर एक राय कायम करना। लेकिन इंडिया गठबंधन की इस बैठक में दल भले ही आपस में मिले, लेकिन दिल नहीं मिल पाये। लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्तालालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीति प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका टांय-टांय फिस ही होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बातें हवा हो रही है। न संयोजक और न ही प्रधानमंत्री और न ही नरेन्द्र मोदी के सामने कौन चुनाव लडे.के नाम पर सहमति बन पायी है। आज दुनियाभर में लोकतंत्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। भारत में विपक्ष की नकारात्मक स्थितियों के कारण यह संकट ज्यादा बड़ा है। इसका कारण है विपक्ष से जुड़े संस्थानों, राजनीतिक हस्तियों और लोकतांत्रिक निर्णयों का आधार बनने वाली प्रणालियों पर धीरे-धीरे कम हो रहा भरोसा। विश्वास का यह संकट तत्काल कार्रवाई की मांग करता है। आज हमें विपक्षी राजनीतिक तंत्र पर मौलिक विचार मंथन के बाद पुनर्मूल्यांकन कर इन्हें पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है ताकि बदलती हुई सामाजिक एवं राष्ट्रीय जरूरतों के साथ सामंजस्य स्थापित किया जा सके और सरकार एवं शासन की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकें जिसमें राजनीतिक प्रक्रियाओं का नहीं बल्कि नागरिकों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का महत्त्व हो।

इंडिया गठबंधन की प्रथम अपेक्षा है कि इससे जुड़े सभी दलों में आपसी सहमति एवं एकजुटता बने। लेकिन चौथी बैठक में ऐसा होता हुई नहीं दिखा। सबसे खास बिहार के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन की नींव रखने वाले नीतीश कुमार ने जल्द से जल्द सीट शेयरिंग के मुद्दे पर आम सहमति बनाने की अपील की, लेकिन जिस बात का डर शुरू से था वही हुआ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक ऐसा प्रस्ताव रख दिया, जिससे

विपक्षी एकजुटता में सेंध लगी और राजनीतिक माहौल गरमा गया। ममता दीदी ने चाल चलते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री/संयोजक पद के लिए रख दिया जबकि इस नाम के लिए नीतीश प्रारंभ से लामबंदी कर रहे थे। खड़गे का नाम सुनते ही ना सिर्फ नीतीश बल्कि नीतीश के नाम के पीछे अपने बेटे तेजस्वी का भविष्य तलाशने वाले लालू यादव भी नाराज हो गए। नाराजगी ऐसी कि दोनों दिग्गज लालू और नीतीश कुमार गठबंधन की बैठक के बीच से ही निकल गए और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहीं हुए। ऐसे में ये भी सवाल उठता है कि क्या गठबंधन में सिर्फ बैठकें होंगी या फिर कुछ निष्कर्ष भी निकलेगा। क्या गठबंधन लोकसभा चुनाव की कोई प्रभावी एवं सार्थक चुनावी प्रक्रिया तय कर पायेगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव में अब 6 महीने से भी कम का समय बचा है। मोदी के रथ पर सवार बीजेपी को हराने के लिए इंडिया गठबंधन ऐड़ी चोटी का जोड़ तो लगा रही है, लेकिन सभी दल एक मुद्दे पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन कोरा सत्ता के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन लोकतांत्रिक आदर्श के लिए नहीं। ऐसा माना जाता है कि सत्ता समझौतों पर टिकी होती है और आदर्श सिद्धांतों पर। दोनों में संतुलन और सामंजस्य की स्थितियां दुर्लभ होती जा रही है। विपक्षी दल चाहे कितनी ही समस्याएं पैदा करते हों, लेकिन अगर वे अलग-अलग मुद्दों से ज्यादा नीतिगत प्रश्नों पर ध्यान दें तो उन्हीं के जरिए लोगों को आकर्षित कर सकते हैं। कोई भी दल सत्ता में आने के लिए गठबंधन तब करता है जब अकेले सरकार बनाने या जीतने की स्थिति में नहीं होता। लेकिन आदर्शवादी राजनीति सोच इसे सत्तामोह और समझौतावाद कहते हैं। इसका अर्थ यह है कि सिद्धांतवादी दलों को किसी से गठजोड़ नहीं करना चाहिए, भले उसका परिणाम राजनीतिक असफलता ही क्यों न हो। लेकिन राजनीति में गठबंधन एक विवशता बनती जा रही है, क्योंकि किसी भी विपक्षी दल में सिद्धान्त एवं मूल्यों की राजनीति करने का माद्दा नहीं उभर पा रही है।

इंडिया गठबंधन लोकतंत्र की ताकत बनना चाहिए क्योंकि इसने एकदलीय सत्ता का युग खत्म होने के बाद राजनीतिक अस्थिरता और खर्चीले चुनावों के खतरे के प्रति सचेत होकर गठबंधन की सीख बहुत जल्दी ले ली। लेकिन गठबंधन की बुनियादी सोच को विकसित किये बिना ऐसा करना जल्दबाजी एवं सत्ता मोह का निर्णय ही अधिक प्रतीत हो रहा है जिसका कोई सार्थक परिणाम आता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। भले ही विपक्षी दल सिद्धांत और विचारधारा के बदले आर्थिक विकास और व्यापार-रोजगार जैसे नारों से लोगों को लुभा लें। लेकिन ऐसा करते हुए वे अवसरवाद की पुष्टि और विचारधारा के अवमूल्यन के लिए उदाहरण ही प्रस्तुत करते हैं। ऐसे दलों के नेताओं का चरित्र एवं साख भी कोई प्रभावी रंग नहीं दिखा पाती। वे एक दल से दूसरे दल में बेहिचक आते-जाते हैं, पितृदल छोड़ कर नए-नए दल बनाते हैं। यह सब राजनीतिक विचारधारा के अंत का सूचक है।

यह देश का दुर्भाग्य है कि राजनीति में सिद्धांतों और मूल्यों की बातें मजाक होकर रह गई है। बड़ी सोच एवं बड़ी दृष्टि इन विपक्षी दलों में पनप ही नहीं पा रही है। इंडिया गठबंधन में कुछ संभावना बनी थी, लेकिन उसमें भी न तो बड़ी दृष्टि है न देश की सही समझ और न ही बड़ी लड़ाई लड़ने का दम और जीवट दिखाई पड़ता है। अगर वाकई देश को राजनीतिक विनाश के रास्ते से हटा कर सही एवं सकारात्मक रास्ते पर लाना है तो जीवट नेतृत्व की अपेक्षा है। ऐसा विपक्षी नेतृत्व उभरे जिसमें समझ और तप दोनों का समावेश हो। राष्ट्र एवं समाज को विनम्र करने का हथियार मुद्दे या लॉबी नहीं, पद या शोभा नहीं, ईमानदारी है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार, समाज, संस्था व संविधान ईमानदारी से चलते हैं, न कि झूठे दिखावे, आश्वासन एवं वायदों से। दायित्व और उसकी ईमानदारी से निर्वाह करने की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। मनुष्य हर स्थिति में मनुष्य रहे। अच्छी स्थिति में मनुष्य मनुष्य रहे और बुरी स्थिति में वह मनुष्य नहीं रहे, यह मनुष्यता नहीं, परिस्थिति की गुलामी है। हमारा विपक्षी नेतृत्व अपने पद की श्रेष्ठता और दायित्व की ईमानदारी को व्यक्तिगत अहम्‌ से ऊपर समझने की प्रवृत्ति को विकसित कर मर्यादित व्यवहार करना सीखें अन्यथा शतरंज की इस बिसात में यदि प्यादा वज़ीर को पीट ले तो आश्चर्य नहीं। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिये सशक्त विपक्ष बहुत जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों की संकीर्ण सोच, सिद्धान्तविहीन राजनीति एवं सत्तालालसा ने विपक्ष की राजनीति को नकारा कर दिया है। सोचा गया था कि इंडिया गठबंधन विपक्ष से जुड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी की लौ को फिर से प्रज्वलित कर सकेगा और ऐसी सोच एवं राजनीति प्रणाली का निर्माण करेगा जो वास्तव में लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए हो। लेकिन ऐसा न होना इंडिया गठबंधन की बड़ी असफलता है और आने वाले वर्ष 2024 के लोकसभा में उसकी भूमिका टांय-टांय फिस ही होती हुई नजर आ रही है। क्योंकि चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में एकजुटता की बातें हवा हो रही है।

दृष्टि कोण

सुरक्षा चूक के बहाने नए संसद भवन पर सवाल

13 दिसंबर 2023 को, 22 वर्ष पूर्व भारत की संसद पर आतंकवादी हमले की वरसी के दिन कुछ लोगों द्वारा पुनः आक्रमण के बाद, विपक्षी दलों ने फिर से नए संसद भवन पर सवालिया निशान लगाने शुरू किए हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी नए संसद भवन की आलोचना विपक्षी दल करते रहे हैं। कुछ माह पूर्व जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन किया गया था तो भी विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के साथ-साथ पूरी की पूरी सेन्ट्रल विस्टा पुनर्निर्माण परियोजना की यह कहकर आलोचना की थी कि इस परियोजना में भारत जैसे देश में क्या 13450 करोड़ रुपए से 20000 करोड़ रुपए तक का कुल खर्च करना औचित्यपूर्ण है? उनका कहना था कि क्या इस धनराशि का उपयोग शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी जरूरी मदों पर खर्च नहीं किया जाना चाहिए। आलोचकों का यह भी कहना रहा है कि इस परियोजना को पूरा करने के लिए कई इमारतों को गिराना पड़ेगा और कई पेड़ों को भी काटना पड़ेगा, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होगा। इसके अलावा आलोचकों का यह भी कहना रहा है कि सरकार ने इस परियोजना को जल्दबाजी में

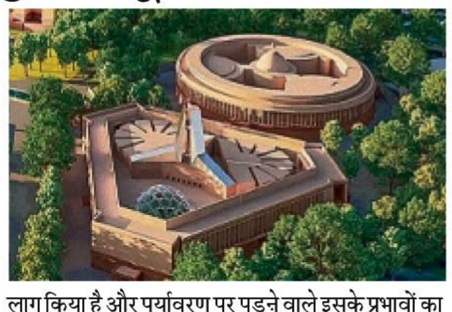

लागू किया है और पर्यावरण पर पडने वाले इसके प्रभावों का भी सही आकलन नहीं किया गया। 13 दिसम्बर को हुई सुरक्षा चूक और उसके साथ दर्शकदीर्घा से कूदकर शरारती तत्वों का संसद कक्ष में घुसने को लेकर अब विपक्षी दलों का यह तर्क भी नए संसद भवन की आलोचना में शामिल हो गया है, कि नई संसद सुरक्षा की दृष्टि से भी सही नहीं है। यहां सवाल यह उठता है कि सेन्ट्रल विस्ता पुनर्निर्माण योजना की क्या जरूरत थी। गौरतलब है कि अंग्रेजी हुकूमत के दौरान दिल्ली में ब्रिटिश आर्किटेक्ट एडविन लुटियन्स और हर्बट बेकर के डिजाईन पर आधारित नई दिल्ली की प्रशासनिक इमारतों का निर्माण 20वीं सदी में किया गया था, जिसे सेन्ट्रल विस्ता के नाम से भी जाना जाता है। देश की कई महत्वपूर्ण इमारतें जिसमें राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक शामिल हैं, इस सेन्ट्रल विस्ता का हिस्सा रही हैं। ब्रिटिश सरकार का उद्देश्य इन इमारतों के जरिए एक नई राजधानी का निर्माण था, जो उनकी साम्राज्यवादी शक्ति का एक प्रतीक बने। वैसे देखा जाए तो सेन्ट्रल विस्ता को एक भव्य नवशास्त्रीय शैली में बनाया गया था, जिसमें बड़े-बड़े बाग, फुव्वारों के साथ-साथ कई मूर्तियां स्थान-स्थान पर स्थापित की गई थी। सेन्ट्रल विस्ता की एक प्रमुख विशेषता राजपथ (जिसे अब कत्र्तव्य पथ के नाम से जाना जाता है) रही, जो एक ऐसा मार्ग था जो राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक जाता है। यह मार्ग गणतंत्र दिवस परेड समेत भारत के कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजनों के लिए उपयोग किया जाता रहा है। लंबे समय से सेन्ट्रल विस्ता एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल रहा है, जो अपनी भव्य वास्तुकला और प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी में इसकी भूमिका के लिए जाना जाता है। कुल मिलाकर सेन्ट्रल विस्ता भारत में ब्रिटिश शासनकाल या यूं कहें कि साम्राज्यवाद के प्रतीक चिन्हों में से एक है। लेकिन शायद इसकी भव्यता और वास्तुकला के मद्देनजर स्वतंत्र भारत में किसी भी सरकार ने सेन्ट्रल विस्ता में किसी भी प्रकार के फेरबदल के बारे में विचार नहीं किया। केन्द्र में नरेन्द्र मोदी सरकार आने के बाद इस विषय में विचार किया जाना शुरू हुआ कि दिल्ली राजधानी में समय के साथ संसदीय कार्यकलापों, विभिन्न मंत्रालयों और शासकीय विभागों की जरूरतों में बड़ा विस्तार हुआ है। इन जरूरतों के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी के इस सेन्ट्रल विस्ता परिसरों में बड़े विस्तार की जरूरत महसूस की जा रही थी। भारत सरकार के सेन्ट्रल विस्ता पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत नए संसद भवन, साझा केन्द्रीय सचिवालय, उपराष्ट्रपति एन्कलेव का निर्माण, राष्ट्रीय संग्राहलय का जीर्णोद्धार, विज्ञान भवन का नवीनीकरण और विस्तार आदि शामिल किया गया है। केन्द्र सरकार ने यह भी निर्णय लिया कि सरकार के जितने भी विभागों और मंत्रालयों के कार्यालय किराए के भवनों में चलते हैं।

कुछ अलग

खड़ख़ड़ जी, गरिमा व उत्पीडऩ

खड़खड़ जी को आजकल न जाने क्या हो गया है? जब से उनके पोते ने उनकी मिमिक्री की है, उन्हें लगता है कि हर कोई उन्हें चिढ़ाते हुए उनका उत्पीडऩ कर रहा है। उनके दादा होने का बोध ख़तरे में है। उनकी गरिमा तार-तार हो रही है। कोई हँसता भी तो है उन्हें लगता है कि वह खी-खी की आवाज़ केवल उन्हें चिढ़ाने के लिए ही निकाल रहा है। इसलिए उन्होंने आजकल बाज़ार निकलना भी छोड़ दिया है। घर में अगर कोई खाँसता भी है तो उन्हें लगता है कि वह उनकी मिमिक्री कर रहा है। उनके मन में ऐसा भय बैठ गया है कि खडख़ड़ जी ने ख़ुद भी खाँसना छोड़ दिया है। दरवाज़ा खोलते हुए अगर वह चूँ-चूँ या खड़-खड़ की आवाज़ कर दे, तो उसी पर नाराज़ हो जाते हैं। एक बार तो ग़ुस्से में उन्होंने दरवाज़े पर ऐसी लात मारी कि तीन हफ्ते तक प्लास्टर बाँधे घर पर पड़े रहे। प्लास्टर के ढीला होने पर जब उसमें खड़-खड़ की आवाज़ आने लगी तो उन्हें प्लास्टर पर ग़ुस्सा आने लगा। उसे घर में ही काटने लगे। बड़ी मुश्किल से बीवी के समझाने पर माने। उधर उनका पोता है कि मानता ही नहीं। उसे जब भी मौक़ा मिलता है कभी घर में, कभी पड़ोस में, कभी स्कूल में तो कभी खेल के मैदान में उनकी मिमिक्री करने लगता है। एक दिन तो हद हो गई। उसने नींद में ही खडख़ड़ जी की मिमिक्री शुरू कर दी और रात को घर में हंगामा हो गया। खडख़ड़ जी ने ग़ुस्से में देश के उपराष्ट्रपति की तरह उसे सदन, क्षमा करें, घर से बाहर निकाल दिया। खडख़ड़ जी की पत्नी परेशान होकर मुझसे सहायता की अपील करते हुए मेरे घर पहुँच गईं। उनकी सारी बात सुनने के बाद मैं उन्हें आश्वास्त करते हुए बोला, 'भाभी जी, कोई बात नहीं। आजकल मिमिक्री तो आम बात है। पहले तो केवल हास्य कलाकार ही बड़े नेताओं या अभिनेताओं की मिमिक्री करते हुए अपनी रोज़ी-रोटी कमाया करते थे। लेकिन जब से विश्व गुरू ने चुनावी रैलियों और सदन में विपक्षियों की मिमिक्री करना शुरू की है, लोगों ने इसे हलके में लेना शुरू कर दिया है।' भाभी गम्भीर होते हुए बोलीं, 'इधर देश संवैधानिक संस्थाओं और पदों की गिरती गरिमा से परेशान है और इधर हमारे खडख़ड़ जी बिना किसी बात के मुँह फुलाए हुए दिन-रात ऐसे खड़-खड़ कर रहे हैं, मानो इन्होंने घर में कोई इलेक्शन जीतने के लिए मुद्दा खड़ा करना हो।' मुझे लगा कि मैं और अधिक गहरे प्रवेश करने वाला हूँ। मैं बोला, 'किसी भी युग में जब ज्ञान क्षीण होने लगता है और उसकी निर्बलता पर अहंकार भारी हो जाता है तो जिज्ञासा कुंद हो जाती है। यहीं से प्रारम्भ होता है मानस का ह्रास और व्यक्ति आर्कमिडीज़ की तरह 'मैंने पा लिया, मैंने पा लिया' के स्थान पर कंस या दुर्योधन की तरह कहना शुरू कर देता है-एक अकेला सब पर भारी। जब ज्ञान पिपासा का लगभग अंत होने लगे और हवा में जिज्ञासा नहीं अपितु छद्मज्ञान का अहंकार तैरने लगे तो महाभारत निकट होता है। देश में हिंसात्मक प्रवृत्तियां तथा असत्य का प्रचार दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे लगता है मानो भारतीय जनमानस अज्ञानता के अंधे युग में प्रवेश कर चुका हो। अध्यात्म ढोंग में बदल रहा है तथा अन्याय और विध्वंस सामान्यजन का स्वभाव बनने लगा है। जब संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों का ऐसा स्वभाव है तो आम आदमी का क्या हाल होगा? मुझे लगता है कि देश की तरह खडख़ड़ जी को भी मनोचिकित्सक को दिखाने की ज़रूरत है। पर देश के उन करोड़ों लोगों का क्या होगा जो धर्म और राजनीति में अंधभक्त बनकर घूम रहे हैं? लेकिन उनसे पहले तो देश के रहनुमाओं की मनोचिकित्सा ज़रूरी है।' 'आपने बिल्कुल ठीक कहा। लेकिन हमें पहल तो घर से ही करनी होगी।

देश दुनीया से

मूल निवास के आधार पर आरक्षण संविधान की कसौटी पर

इस वर्षान्त में मुट्ठीभर युवाओं द्वारा मूल निवास और मजबूत भूमि कानून की मांग को लेकर देहरादून में आहूत महारैली में जिस तरह जनसैलाब उमड़ पड़ा उसे उत्तराखण्ड की जनता की भावनाओं का उद्वेग ही कहा जा सकता है। चूंकि उत्तराखण्ड में अभी तक मूल निवास के आधार पर सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसलिए जनभावनाओं का यह विस्फोट फिलहाल लोगों की संस्कृतिक पहचान के लिए ज्यादा लगता है। बाहरी लोगों द्वारा की जा रही जमीनों की खरीद फरोख्त पर मजबूत भू-कानून के जरिए रोक लगाने की मांग भी कमोवेश जनसांख्यिकी के असन्तुलन को रोक कर पहाड़ी लोगों की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण रखने के लिए ही है। लेकिन मूल निवास का मुद्दा अन्ततः नौकरियों और अन्य सरकारी सुविधाओं तक ही पहुंचेगा जिसे संवैधानिक रुकावटों से गुजरना होगा, क्योंकि भारत का संविधान अपने नागरिकों को समानता के मौलिक अधिकार के साथ राज्य के अधीन किसी भी पद के संबंध में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव,

जन्मस्थान, निवास या इसमें से किसी के आधार पर भेदभाव की स्पष्ट मनाही करता है। सवाल केवल उत्तराखण्ड के मूल निवास आन्दोलन तक सीमित नहीं है। मध्य प्रदेश की पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा जन्म के आधार पर राज्यवासियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण की घोषणा की जा चुकी थी। मूल निवास के आधार पर विरोध और समर्थन की बहसों के बावजूद कुछ राज्यों में जन्म के आधार पर और कुछ में भाषा के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था लागू हो चुकी है। इसलिए आज मांग उत्तराखण्ड से उठ रही है तो कल देश के अन्य राज्यों में भी यह मांग उठेगी। आरक्षण का मुद्दा एक संवैधानिक विषय होने के कारण विभेद विहीन समान अवसरों की गांरटी देने वाले अनुच्छेद 16 के उपखण्डों में संशोधन भी संसद ही कर सकती है। इसलिए समय आ गया है कि केन्द्र सरकार इस संबंध में स्पष्ट नीति बना कर एक ही बार में संविधान में आवश्यक संशोधन करें। मूल निवास या जन्म के आधार पर आरक्षण की बात उठती है तो संविधान के अनुच्छेद 16के उपखण्डों का जिक्र आवश्यक हो जाता है। भारत के संविधान में अनुच्छेद-16 सरकारी नौकरियों में अवसर की समानता को संदर्भित करता है जबकि अनुच्छेद 16(1) राज्य के अधीन किसी भी पद पर रोजगार या नियुक्ति से संबंधित मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसरों की समानता की गारंटी देता है। अनुच्छेद 16(2) यह भी स्पष्ट करता है कि कोई भी नागरिक केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थान, निवास के आधार पर राज्य के तहत किसी भी रोजगार या कार्यालय के लिए अयोग्य नहीं होगा या उसके साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। लेकिन अनुच्छेद 16(3) इन कानूनों को अपवाद प्रदान करता है। इसमें कहा गया है कि संसद उस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर निवास के किसी विशेष स्थान की आवश्यकता निर्धारित करने वाला कोई भी कानून बना सकती है जिसमें सार्वजनिक पद या रोजगार हो। छूट देने की यह एक ऐसी शक्ति केवल स्पष्ट रूप से संसद में निहित है, न कि किसी राज्य विधानमंडल में। इसका मतलब यह है कि जन्म स्थान के आधार पर सार्वजनिक रोजगार में आरक्षण के बारे में निर्णय केवल भारत की संसद ही ले सकती है, किसी राज्य की कोई विधायिका नहीं। संसद अब तक इस प्रावधान का लाभ आन्ध्र प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश को दे चुकी है। कुछ राज्यों को छूट देना और कुछ को छूट से वंचित रखना भी राज्यों के समानता के अधिकार का हनन है। महाराष्ट्र में, जो कोई भी 15 साल या उससे अधिक समय से राज्य में रह रहा है, वह सरकारी नौकरियों के लिए तभी पात्र है, जब वह मराठी में पारंगत हो। तमिलनाडु भी ऐसी परीक्षा आयोजित करता है। पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने मूल निवास के बजाय भाषा को राज्य की सेवाओं में नियुक्ति का आधार बनाया है। इन राज्यों की सेवाओं की चयन प्रकृया में शामिल परीक्षाओं में राज्य की भाषा का ज्ञान आवश्यक विषय रखा गया है। इसके अतिरिक्त, संविधान के अनुच्छेद 371 में कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधान भी हैं। संविधान के अनुच्छेद 371डी के तहत, आंध्र प्रदेश को निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थानीय कैडरों की सीधे भर्ती करने की अनुमति है। संविधान निवास के आधार पर भेदभाव की अनुमति नहीं देता है।

बाहरी लोगों द्वारा की जा रही जमीनों की खरीद फरोख्त पर मजबूत भू-कानून के जरिए रोक लगाने की मांग भी कमोवेश जनसांख्यिकी के असन्तुलन को रोक कर पहाड़ी लोगों की सांस्कृतिक पहचान अक्षुण रखने के लिए ही है। लेकिन मूल निवास का मुद्दा अन्ततः नौकरियों और अन्य सरकारी सुविधाओं तक ही पहुंचेगा जिसे संवैधानिक रुकावटों से गुजरना होगा, क्योंकि भारत का संविधान अपने नागरिकों को समानता के मौलिक अधिकार के साथ राज्य के अधीन किसी भी पद के संबंध में धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, उद्भव, जन्मस्थान, निवास या इसमें से किसी के आधार पर भेदभाव की स्पष्ट मनाही करता है। सवाल केवल उत्तराखण्ड के मूल निवास आन्दोलन तक सीमित नहीं है।

आप का नजरीया

सत्र से शीतकालीन प्रवास तक

तपोवन महज एक परिसर नहीं, हिमाचल को सियासी रूप से साधने की परिकल्पना है। साल के इंतजार में शीतकालीन सत्र के आलोक और राज्य की अभिव्यक्ति को परिभाषित करतीं तमाम दिशाओं ने अपना संगम स्थल यहां खोजा है। बेशक शिमला में विधानसभा का एक स्थायी चरित्र मौजूद है और वहां राजधानी होने का गुरूर भी, लेकिन तपोवन में आकर प्रदेश अपने सुर ऊंचे करता है। आंदोलन- आंदोलित होकर प्रदेश बहुत कुछ ऐसा भी यहां कहता है, जो शिमला में संभव नहीं। दरअसल सरकार के आईने यहां साफ हो जाते हैं, वरना हुकूमत का नशा शिमला है। इसी नशे के निवारण को लेकर राजनीतिक प्रयोग हुए, ताकि चुनावों की वकालत में सारा हिमाचल लिखा जा सके। दुर्भाग्यवश या विडंबना यह रही कि सरकार बदलते ही औलिया बदल गए, राजपाठ के तौर तरीके और नकाब बदल गए। कमोबेश हर सरकार के आगमन से हिमाचल का केंद्र और केंद्रीय भूमिका म प्रदेश बदल जाता है। यहीं से उत्पन्न होती हैं क्षेत्रवाद की सरहदें और सत्ता की फरमाइशें। इसीलिए हर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन और तरीके बदले ताकि राजनीति का सबसे अहम व वजनदार पक्ष खुशामद करे। वजन पूर्व में डा. वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर का यहां देखा गया, तो एक साल की सरकार का ताज पहने सुखविंदर सिंह सुक्खू को इस बार देखा गया। मंत्रिमंडल की रिक्तियों से विरक्त दीवारें लांघ कर सियासत के तजुर्बे, इस बार भी सरकारों के बीच अतीत के बंटवारे और भविष्य के रखवाले के रूप में मुख्यमंत्री के संतुलन को देख रहे हैं। सत्ता के बंटवारे से गैरहाजिर रहे वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा व सुजानपुर के विधायक राजिंद्र राणा के इर्द-गिर्द संभावनाओं के दरवाजों पर लगी कीलें भीतरी रिसाव को रोक पाएंगी या इन्हें मुजरिम बना कर लोकसभा चुनाव की नई इबारत कांग्रेस लिख पाएगी। दरअसल हिमाचल की सत्ता अपनी ही सत्ता की इबारत को न पढने में मशगूल रहकर राजनीति की नई फारसी पढ़वाना चाहती है। अगर इस हिसाब से एक साल की मीडिया रिपोर्ट, राजनीतिक कयास या भौगोलिक अपेक्षाओं के मुआयने देखे जाएं, तो मालूम हो जाएगा कि कसरतों में कहीं सरकार की मांसपेशियों का खिंचाव है। हिमाचल में राजनीतिक दुरुहता को साधना मुश्किल रहा है। सियासत के सारे पहाड़ कांगड़ा में तब से गिने जा रहे हैं, जब से यह क्षेत्र पंजाब पुनर्गठन के बाद भाषाई आधार पर हिमाचल में मिला। भले ही इसी क्षेत्र से शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल व सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बन गए, लेकिन यहां अखाड़े कम नहीं हुए। हम यहां शांता कुमार से लेकर सुक्खू सरकार तक कई असंतुलन व टकराव देख सकते हैं, फिर भी छह बार के मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह की राजनीतिक संरचना को उपहार मान सकते हैं। वीरभद्र सिंह ने शीतकालीन प्रवास को शीतकालीन सत्र तक और क्षेत्रीय कार्यालयों को शीतकालीन राजधानी तक पहुंचाया, लेकिन इस मॉडल को कभी कांगड़ा विभाजन से चीरने या मंत्रिमंडल के गठन में कमजोर करके देखा गया।

मोदी सरकार के शासन में 100 में से पूरा 100 पैसा राज्य तक पहुंच रहा : सीएम भजनलाल

श्रीगंगानगर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को श्रीकरणपुर में कहा कि कांग्रेस के राज में 100 पैसे में से राज्य तक 15 पैसा ही पहुंचता था लेकिन मोदी सरकार के शासन में 100 में से पूरा 100 पैसा राज्य तक पहुंच रहा है। श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी के समर्थन में सभा करने आए सीएम ने केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की। उन्होंने कहा कि फिरोजपुर फीडर की डीपीआर जल्द बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय में कार्यकर्ताओं के किए वादों पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के नारे के साथ की। इसके बाद पंजाब से सटे श्रीगंगानगर जिले में बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान दिवस पर वीर बाल दिवस का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भाजपा अब नशा मुक्ति योजना बनाएगी। श्री गंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में बड़ी संख्या में युवा नशे की चपेट में है। इसे रोकने के लिए नशा मुक्ति की योजना तैयार की जाएगी। युवाओं को नशे के कारण नहीं बिगड़ने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक के दोषियों को सजा दी जाएगी। कोई पेपर लीक नहीं हो इस पर भी ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम वह करेंगे जो जनता चाहती है। जनता की इच्छा के अनुसार ही भाजपा सरकार में काम होंगे। इससे पहले भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सांसद निहालचंद मेघवाल, श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहानी, सादुलशहर विधायक गुरवीर सिंह बराड़, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, पूर्व केंद्रीय मंत्री सी आर चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी संबोधित किया।

दर्दनाक सड़क हादसे में मां बेटी की मौत, एक घायल

फतेहाबाद (हिंस)। शहर के साथ लगते गांव बीघड़ में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कार की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि घर के बाहर खेल रहा एक लड़का घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल में भेज दिया है। मंगलवार को इस मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में टिब्बा कालोनी, बीघड़ निवासी बलबीर सिंह ने कहा है कि उसने अपने घर के बाहर ढाण्ड रोड पर सड़क के पास लकड़ियां रखी हुई हैं। गत दिवस उसकी पत्नी 33 वर्षीय सुमित्रा व उसकी 12 साल की लड़की रजनी दोनों लकड़ियां लेने के लिए जा रही थी। इसी दौरान गांव बीघड़ की तरफ से आ रही एक कार के चालक के कार को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उसकी पत्नी व लड़की दोनों को टक्कर दे मारी। इस हादसे में उसकी पत्नी सुमित्रा व लड़की रजनी दोनों सड़क पर दूर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई।

गणतंत्र दिवस पर 518 दिव्यांगजनों को मिलेंगे एक करोड़ 13 लाख के 895 उपकरण

फतेहाबाद (हिंस)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर डीपीआरसी हॉल में 518 दिव्यांगजनों को एक करोड़ 13 लाख 15 हजार 848 रुपये की राशि के 895 उपकरण वितरित किए जाएंगे। इन उपकरणों में बैटरी वाली रिक्शा, तिपहिया साइकिल, व्हील चेयर, कान से सुनने की मशीन, कृत्रिम व अन्य सहायक उपकरण शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा 3 अक्तूबर को डीपीआरसी हाल फतेहाबाद, 4 अक्तूबर को बीडीपीओ कार्यालय रतिया तथा 5 अक्तूबर को किसान रेस्ट हाउस, टोहाना में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए जांच करवाकर पंजीकरण करवाया था। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष अजय सिंह तोमर ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में जिला प्रशासन व जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साझा प्रयास से एलिम्को मोहाली, पंजाब द्वारा गणतंत्र दिवस पर जिले के सभी 518 दिव्यांगों को ये उपकरण वितरित किए जाएंगे। फतेहाबाद के 143 लाभार्थियों को 216 उपकरण, टोहाना के 179 लाभार्थियों को 325 उपकरण व रतिया के 196 लाभार्थियों को 354 विभिन्न प्रकार के उपकरण दिव्यांगजन को वितरित किए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम डीपीआरसी हाल में एलिम्को व रेडक्रॉस सोसायटी के साझा प्रयास से किया जा रहा है, जिसमें जिले के 518 दिव्यांगों को गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय समारोह में यह उपकरण वितरित किए जाएंगे।

जिला स्तरीय उपकरण वितरण समारोह में दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य कैम्प, आंखों का निशुल्क जांच कैंप सहित विभिन्न कैंप एक ही छत के नीचे लगाए जाएंगे जिससे की दिव्यांगों को इसका लाभ मिल सके। उपायुक्त ने बताया कि जो दिव्यांगजन अभी भी पंजीकरण से वंचित रह गए हैं उनके लिए 26 जनवरी, 2024 को डीपीआरसी हॉल में जांच शिविर भी लगाया जाएगा, जिससे की मौके पर ही दिव्यांगों का पंजीकरण किया जा सके। उन्होंने बताया कि जो दिव्यांगजन अपना पंजीकरण करवाना चाहते हैं। वे एक जनवरी 2024 तक अपना पंजीकरण रेडक्रॉस भवन में जाकर करवा सकते हैं जिसके लिए उन्हें यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र व अपना मोबाइल साथ ले जाना होगा जिससे ओटीपी लेकर पंजीकरण किया जा सके।

राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए वीर साहिबजादों के बलिदान को पूरा देश सदैव याद रखेगा : सीपी

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी *वीर बाल दिवस* पर हीदा की मोरी स्थित गुरुद्वारा पहुंच मत्था टेका और प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास की। साथ ही उन्होंने सिखों के दशम गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह जी एवं बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को नमन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि आज पूरा देश वीर साहिबजादों को याद कर रहा है, जिन्होंने राष्ट्रधर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया, लेकिन किसी के आगे झुके नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे वीर साहिबजादों की शहादत की पुण्य स्मृति में 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि देश में अब तक उस औरंगजेब का महिमामंडन होता आया जिसने धर्म परिवर्तन नहीं करने पर वीर साहिबजादों को बहुत छोटी उम्र में जिन्दा दीवार में चुनवा दिया था। वीर साहिबजादों की इस गौरव गाथा को जन जन के मानस पटल पर पहुंचाने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस वीर साहिबजादों के नाम से मनाने की शुरुआत की।

फतेहाबाद : ईसाई बने तीन हिंदू परिवारों ने की घर वापसी

फतेहाबाद (हिंस)। क्षेत्र में ईसाई मिशनरी बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। ये गरीब हिंदुओं को धन, चिकित्सा और अच्छा कैरियर का लालच देकर उनको ईसाई पंथ में कन्वर्ट करने में लगे हुए हैं। इसी क्रम में भूना में भी मिशनरियों ने बहला-फुसला कर तीन हिंदू परिवारों के 12 सदस्यों को ईसाई बना दिया था। हालांकि इसकी खबर लगते ही बजरंग दल ने मिशनरियों के इस खेल को खराब कर दिया। धर्म परिवर्तन करने वाले परिवार को समझाया गया और उनकी दोबारा से घर वापसी करवाई गई। मिली जानकारी के मुताबिक भूना में ईसाई मिशनरियों ने अनुसूचित जाति से संबंधित तीन परिवारों को ईसाई पंथ में परिवर्तित कर दिया था। इसकी जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों से जुड़े हुए लोग परिवार के लोगों से मिले। उनके साथ बैठकर काफी देर तक चर्चा की गई। बजरंग दल विभाग संयोजक सुशील बागड़ी ने परिवारों को बताया कि किस तरह से बरगलाकर ईसाई बनाया जा रहा है। हालांकि समय रहते हिंदू संगठनों ने ईसाई मिशनरियों की पोल खोल दी। जब परिवार को हिंदू संगठनों की बातें समझ में आ गई तो उन्हें समझ आया कि सच में उन्हें ईसाई मिशनरियों ने

बरगलाया था। फिर क्या था तीनों परिवार ने एक साथ घर वापसी करने की ठानी। इसके बाद सनातन वैदिक परंपरा के अनुसार पूजा पाठ करके इस परिवार ने वापस सनातन हिंदू धर्म में घर वापसी की। घर वापसी के बाद परिवार ने कहा कि अपने धर्म में वापस आने के बाद उन्हें बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। अब कभी भी दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। परिवार की सदस्य समता देवी व राहुल ने बताया कि उनके परिवार क्रिश्चियन मिशनरी वाले के सम्पर्क में आ गए थे। इन्होंने मसीह के नाम पर हमें हमारे ही देवी-देवताओं के विरुद्ध भड़काया, इसलिए उनके चंगुल में ऐसे फंस गए थे कि हमने अपने देवी देवताओं के सब चित्र जोहड़ में फेंक दिए थे। बजरंग दल की टीम के सदस्यों ने मिलकर हमारे घर में सोमवार को हवन यज्ञ करके विधिवत रूप से घर वापसी की है। हिंदू धर्म में घर वापसी करने वाले समता, कार्तिक, अरमान, मलकीत, प्रिया, राधा, परवीन समेत घर के सभी सदस्यगण खुशी से झूम उठे। बजरंग दल के विभाग संयोजक सुशील बागड़ी ने मंगलवार को बताया कि विदेशी षड्यंत्र से हिंदुओं का धर्म परिवर्तन करके देश के विरुद्ध बड़ी साजिश चल रही है। इसी मामले में हमने इन परिवारों को समझाकर अपने धर्म के बारे बताकर पूरे विधिवत रूप से हवन यज्ञ करके घर वापसी हुई है। भविष्य में भी घर वापसी के कार्यक्रम ऐसे ही चलेंगे। इस मौके पर भूना नगर सह संयोजक अमर सोनी, जिला मिलन केंद्र प्रमुख अमित दहमान व राजा बागड़ी आदि भी मौजूद थे।

जयपुर में सेना भर्ती रैली तीन जनवरी से होगी शुरू

जयपुर (हिंस)। प्रशिक्षण के लिए विभिन्न रेजिमेंटल केंद्रों में दो हजार तीन सौ छब्बीस से अधिक अग्निवीरों के पहले प्रेषण के पूरा होने के बाद मुख्यालय भर्ती क्षेत्र जयपुर ने भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), जयपुर की ओर से तीन से पन्द्रह जनवरी 2024 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम शाहपुरा जयपुर में आयोजित की जाने वाली सेना भर्ती रैलियों के दूसरे चरण के शुरुआत की घोषणा की है। आगामी रैली में कॉमन एंट्रेंस एग्जाम 2023 में शामिल हुए पांच हजार से अधिक शॉर्टलिस्टेड उम्मीदवारों को अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क, एसकेटी, अग्निवीर ट्रेडमैन (8वीं पास और 10वीं पास) की श्रेणियों के लिए कॉल जारी किया गया है। इसके अलावा अग्निवीर महिला सैन्य पुलिस, सिपाही फार्मा, सोल्जर एनए, एनए वेट, आरटी जेसीओ और हवलदार एसएसी श्रेणियों के लिए अठारह सौ से अधिक उम्मीदवारों को कॉल जारी किया गया है।

राजनीति में नहीं होता तो राम मंदिर निर्माण में मुझे भी कोई जिम्मेदारी अवश्य मिलती : केशव प्रसाद मौर्य

अयोध्या (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को राम लला और हनुमान जी का दर्शन करने के बाद कारसेवकपुरम पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नारायण सिंह का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर मैं राजनीति में नहीं होता तो राम मंदिर निर्माण में आज मुझे भी कोई ना कोई जिम्मेदारी अवश्य मिलती। राम जन्मभूमि आंदोलन के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि आगे बढ़ो जोर से बोलो जय श्री राम, जय श्री राम। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के साथ-साथ मुझ जैसे अनेकों कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का काम पुरुषोत्तम नारायण सिंह ने किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हिंदी हिंदू हिंदुत्व और हिंदुस्तान 140 करोड़ देशवासियों की पहचान है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 को हर गांव श्री अयोध्या धाम बने और हर मंदिर में

श्री राम जन्मभूमि जैसा उत्सव मनाया जाए। प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व अयोध्या को साफ सुथरा करने में जुटे केशव प्रसाद मौर्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 30 दिसम्बर को अयोध्या आगमन से पहले उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य अयोध्या धाम को साफ सुथरा करने में जुट गए हैं। अयोध्या में कैंप कर रहे केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को सुबह नयाघाट पहुंच कर राम की पौड़ी व लता चौक पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान की उन्होंने स्वच्छता कर्मियों से मुलाकात और संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। स्वच्छता के दौरान भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल, अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और रुदौली के विधायक रामचंद्र यादव और युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह भी शामिल रहे। मीडिया से बात करते केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम सभी स्वच्छता के अभियान में लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री राम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री अयोध्या में बन रहे भव्य दिव्य रेलवे स्टेशन को भी जनता को सौंपने का काम करेंगे। नरेंद मोदी अयोध्या दर्शन करने के बाद विशाल जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या रेलवे स्टेशन पहुंचकर वरिष्ठ पदाधिकारी से निर्माण कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की और सभी व्यवस्थाओं को ससमय पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं केशव प्रसाद मौर्य ने श्री राम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों व अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों को लोकार्पण संबंधित समस्त तैयारी को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। अयोध्या आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विशाल जनसभा को भी सम्बोधित करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने जन स्वास्थ्य स्थल का भी निरीक्षण किया। जनसभा में शामिल होने वाले जन सामान्य को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने व उनकी सुरक्षा व आवागमन के दृष्टिगत की जा रही तैयारी की जानकारी प्राप्त की।

इंडी गठबंधन के कुछ नेताओं को हिंदू धर्म के खिलाफ बोलने की मिली सुपारी : सुशील मोदी

पटना (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि एक समुदाय विशेष का थोक वोट लेने के लिए इंडी गठबंधन ने अपने दूसरे-तीसरे दर्जे के कुछ नेताओं को हिंदू धर्म, राम मंदिर, सनातन संस्कृति और रामचरित मानस पर अनर्गल टिप्पणी करने की सुपारी दे रखी है। मंगलवार को सुशील मोदी ने यहां कहा कि कांग्रेस के प्रियांक खरगे, सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य, द्रमुक के दयानिधि मारन, राजद के चंद्रशेखर और जगदानंद जैसे नेताओं को हिंदू धर्म को धोखा, डेंगू, मलेरिया वगैरह बताने की सुपारी मिली हुई है लेकिन इनमें से किसी की हिम्मत नहीं है कि वे आतंकवाद का धर्म बता दें। ये सारे सुपारी किलर केवल हिंदुओं की सहिष्णुता के कारण अपनी नौकरी बचा पा रहे हैं। तीन हिंदी भाषी राज्यों में इंडी गठबंधन को राम मंदिर और सनातन धर्म के विरोध का परिणाम झेलना पड़ा, फिर भी वे आत्ममंथन के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से साफ है कि विपक्ष हिंदुओं से घृणा और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की घिसी-पिटी लकीर से जरा भी हटने वाला नहीं है। मोदी ने कहा कि यदि सनातन विरोधी यही रवैया कायम रहा, तो 2024 के संसदीय चुनाव में इंडी गठबंधन के सपा-राजद जैसे कई दल लोकसभा से लुप्त हो जाएंगे। तब ये ईवीएम में दोष देखने चलेंगे, खुद में नहीं।

भारत के स्वाभिमान का प्रतीक है सिख और हिंदू धर्म : गिरिराज सिंह

बेगूसराय (हिंस)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह मंगलवार को वीर बलिदान दिवस के अवसर पर बेगूसराय के श्री गुरु नानक शाही गुरुद्वारा के अरदास में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सिख संप्रदाय, सिख धर्म, गुरु गोविंद सिंह और गुरु नानक नानक देव जी ने मुगलों से लड़ाई लड़कर सनातन को बचाने के लिए क्या नहीं किया। उन्होंने कहा दुर्भाग्य है कि कांग्रेसियों को इतनी बड़ी बातें कभी याद नहीं आई। आजादी के 75 साल बाद नरेन्द्र मोदी ने वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत की। यह आजादी के समय ही होना चाहिए। कांग्रेस के गलत नीतियों के कारण नेहरू के जन्म दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन वीर बलिदानियों को किसी ने याद नहीं किया। सिख धर्म ने मुगलों से लड़ाई लड़ी, चार शहजादे को शहीद कर दिया। उनकी याद में आज बीरबल दिवस मना रहे हैं, नरेन्द्र मोदी ने इसकी शुरुआत की। सिख धर्म के गुरु ग्रंथ में 55 सौ बार राम का नाम लिखा गया है। सिख और हिंदू धर्म एक है। ओवैसी सहित जो लोग औरंगजेब को अपना पूर्वज मान रहे हैं, उन्हें सीख लेनी चाहिए। इस दौरान गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन पर भी प्रहार किया। गिरिराज सिंह कहा कि घमंडिया इंडी गठबंधन के लोग जान-बूझकर सनातन धर्म और हिंदू समाज गाली देते हैं, अपमानित करते हैं। नीतीश कुमार और लालू यादव साजिश के तहत ऐसा करवाते हैं। आज देश के अंदर इंडी घमंडिया गठबंधन कभी अखिलेश यादव के मुंह से तो कभी लालू यादव और नीतीश कुमार से बुलवाते हैं। कभी कांग्रेस और राहुल गांधी स्टालिन के पार्टी से बुलवाते हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि जो लोग हिंदू धर्म को गाली दे रहे हैं, हिंदू धर्म नहीं है उनसे कहता हूं कि मुस्लिम धर्म स्वीकार कर लो। हिंदू धर्म ही सनातन है, सिक्ख ही भारत के स्वाभिमान का प्रतीक है, भारत का अभिप्राय है। वाजपेयी जी, आडवाणी जी एवं भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन उन्हें पलटने की आदत लग गई। कुर्सी के लिए यह पलटते-पलटते अपने पूरे व्यक्तित्व को जमीन में मिला दिया। ऐसा मिलाया की ना घर के रहे ना घाट के रहे। भारतीय जनता पार्टी में उनके लिए दरवाजे बंद हैं।

नक्सली कमांडर-डिप्टी कमांडर के साथ 05 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर (हिंस)। जिले में चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत जिला बल बीजापुर, एसटीएफ एवं केरिपु 85 के द्वारा किये गये प्रयासों से नक्सली कमांडर-डिप्टी कमांडर के साथ 5 नक्सलियों ने मंगलवार को आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित में गंगालूर एरिया कमेटी के पदेड़ा आरपीसी मिलिशिया सदस्य -गुडडू ताती पिता सोमलू ताती, उम्र 23 वर्ष निवासी काकेकोरमा, पायकू हेमला पिता आयतु हेमला, उम्र 25 वर्ष -निवासी पालनार, मिलिशिया ए सेक्शन डिप्टी कमांडर-सन्नू ताती पिता बुधराम ताती, उम्र 23 वर्ष निवासी बोडलापुसनार, जीआरडी सदस्य-संतू पोटाम पिता स्व. कोवा पोटाम, निवासी बोडलापुसनार एवं मिरतुर एलओएस अंतर्गत चेरली मिलिशिया कमांडर-सोनारू कारम ऊर्फ रवि पिता बोडडा कारम, उम्र 32 वर्ष, निवासी चेरलीशामिल हैं। आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन हेतु शासन की आत्मसमर्पण-पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रूपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसर्पित पायकू हेमला वर्ष 2013 में पालनार आरपीसी मिलिशिया सदस्य के पद पर संगठन में भर्ती हुआ। तब से लगातार मिलिशिया सदस्य के पद

पर कार्य किया। वर्ष 2019 में चेरपाल से पालनार स ?क खोदकर मार्ग अवरूद्ध करने की घटना में शामिल था। वर्ष 2019 में पालनार-गुण्डापाल के बीच आईईडी विस्फोट करने में शामिल था, जिसमें 01 जवान शहीद हुआ था। वर्ष 2019 में नेन्ड्रा-कोरचोली के बीच पुलिस पर हमला करने की घटना में शामिल था। वर्ष 2020 में चेरपाल और मोदीपारा के बीच निर्माण में लगे मिक्कर मशीन में आगजनी की घटना में शामिल था। वर्ष 2022 में पालनार पटेलपारा पगडण्डी मार्ग पर आईईडी लगाकर पुलिस पार्टी पर सड़क पर हुए हमले में शामिल रहा था, जिसमें 01 जवान शहीद हुआ था। वर्ष 2021 में नैनपाल में उप निरिक्षक मुरलीताती की हत्या में शामिल था। वर्ष 2023 में पुसनार हीरोली के मध्य आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल था। आत्मसमर्पित नक्सली गुडडू ताती वर्ष 2009 में पदेड़ा आरपीसी अंतर्गत बाल सीएनएम सदस्य के पद पर भर्ती किया गया। वर्ष 2009-10 तक काकेकोरमा में बाल सीएनएम सदस्य के पद पर संगठन में कार्य किया। वर्ष 2011 में जीआरडी सदस्य के पद पर संगठन में जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2014 में पदेड़ा आरपीसी मिलिशिया सदस्य का कार्य दिया गया। वर्ष 2015 में चेरपाल में एपीसी की हत्या में शामिल था। वर्ष 2017 में पदेड़ा से काकेकोरमा के बीच सड़क काट कर मार्ग अवरूद्ध करने की घटना में शामिल था। वर्ष 2017 में पोजेंर से काकेकोरमा के बीच कच्ची सड़क में आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल था। वर्ष 2018 में चेरपाल नाला में रेत परिवहन करने आये ट्रेक्टरों में आगजनी की घटना में शामिल था। वर्ष 2018 पदेड़ा नाला में एंबुश लगाकर पुलिस वाहन में आईईडी ब्लास्ट करने की घटना में शामिल था। वर्ष 2018 चेरपाल शादी में शामिल होने आये 02 पुलिस के जवानों को पकड़कर हत्या करने की घटना में शामिल था। आत्मसमर्पित नक्सली सन्नू ताती वर्ष 2008 में पेदाकोरमा आरपीसी अंतर्गत सीएनएम सदस्य के पद पर भर्ती किया गया। वर्ष 2008-14 तक बोडलापुसनार सीएनएम सदस्य के पद पर संगठन में कार्य किया। वर्ष 2015 में मिलिशिया सदस्य के पद पर संगठन में जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2023 में मिलिशिया सेक्शन ए का डिप्टी कमांडर की जिम्मेदारी दी गई। वर्ष 2015 टीसीओसी के तहत 01 जवान हत्या में शामिल था। वर्ष 2017 में चेरपाल नाला में रेत परिवहन करने आये ट्रेक्टरों में आगजनी की घटना में शामिल था। वर्ष 2017 बोडलापुसनार और मनकेली के बीच पहाड़ी में पुलिस पार्टी के साथ मुठभेड़ में शामिल था। वर्ष 2017 पदेड़ा से पेदाकोरमा जाने वाली कच्ची सड़क में गडढा खोदकर मार्ग अवरूद्ध करने की घटना में शामिल था।

भारत ने पहली बार कच्चा तेल खरीदने के लिए यूएई को रुपये में किया भुगतान

नई दिल्ली ।
दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से खरीदे गए कच्चे तेल के लिए पहली बार रुपये में भुगतान किया है। वैश्विक स्तर पर स्थानीय मुद्रा को बढ़ावा देने के लिए यह भारत की ओर से उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। यह कदम तेल आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाने, लेनदेन लागत में कटौती करने और रुपये को एक व्यवहार्य व्यापार निपटान मुद्रा के रूप में स्थापित करने के भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

यह पहल 11 जुलाई, 2022 को भारतीय रिजर्व बैंक उस फैसले के तहत उठाया गया है, जिसमें आयातकों को रुपये में भुगतान करने और निर्यातकों को स्थानीय मुद्रा में भुगतान प्राप्त करने की अनुमति दी गई है।

अधिकारियों ने जोर देकर कहा है कि अंतरराष्ट्रीयकरण एक सतत प्रक्रिया है, और वर्तमान में इसका कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं हैं।

रुपये में सौदे के लिए जुलाई में किया गया था समझौता

भारत ने जुलाई में रुपये में निपटान के लिए संयुक्त अरब अमीरात के साथ एक समझौते को औपचारिक रूप दिया दिया था। इसके बाद इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडनॉक) से भारतीय रुपये में 10 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदने के लिए भुगतान किया। इसके अतिरिक्त, कुछ रूसी तेल आयात भी रुपये में किए गए हैं।

भारत अपनी तेल जरूरतों का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। ऐसे में देश ने एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जिसमें सबसे अधिक लागत प्रभावी आपूर्तिकर्ताओं से सोर्सिंग, आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने पर जोर दिया गया है। रूसी तेल आयात के रैंप-अप के दौरान राष्ट्र का दृष्टिकोण लाभप्रद साबित हुआ, जिससे अरबों डॉलर की बचत हुई।

क्या है भारत की ओर से रुपये में भुगतान का कारण

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले तीन वर्षों में सीमा पार भुगतान में रुपये के उपयोग को बढ़ावा देने के अपने प्रयास में एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय बैंकों को रुपये में व्यापार करने की अनुमति दी है। भारतीय रिज़र्व बैंक अब तक 22 देशों के साथ रुपये में व्यापार की सहमति बना चुका है।

दरअसल, ऐसा करने से ना केवल भारतीय मुद्रा का प्रचलन वैश्विक हो सकेगा बल्कि रुपये का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने से डॉलर की मांग को कम करने में मदद मिल सकेगी। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक मुद्रा की गिरावट से कम प्रभावित हो सकेगी। 1970 के दशक से ही तेल की खरीद का भुगतान डॉलर में करने की परंपरा चली आ रही थी जिसे अब जाकर समाप्त किया है।

न्यूज ब्रीफ

झारखंड में किसानों से 60 लाख क्विंटल धान खरीदेगी सरकार, कीमत पिछली बार से 250 रुपए ज्यादा

रांची। झारखंड सरकार आगामी 28 दिसंबर से किसानों से धान की खरीद करेगी। इस बार किसानों को पिछले साल की तुलना में प्रति क्विंटल धान पर 250 रुपए ज्यादा मिलेंगे। धान की खरीदारी के लिए पूरे राज्य में 600 से ज्यादा केंद्र बनाए गए हैं। झारखंड के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने मीडिया को यह जानकारी दी। बताया गया कि इस बार सरकारी केंद्रों पर धान बेचने वाले किसानों को कुल कीमत की 50 फीसदी राशि का भुगतान मौके पर ही कर दिया जाएगा, जबकि शेष रकम धान को मिलों में पहुंचाए जाने के बाद मिलेगी। सरकार ने पूरे राज्य में 60 लाख क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है। धान खरीद के केंद्र राज्य के सभी 24 जिलों में बनाए गए हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले प्रत्येक किसान से अधिकतम 200 क्विंटल धान की खरीद की जाएगी। सरकार ने सामान्य किस्म के धान का मूल्य 2183 रुपये तय किया है। इसपर राज्य सरकार 117 रुपए का अतिरिक्त बोनस देगी। यानी प्रति क्विंटल धान पर किसान को 2300 रुपए प्राप्त होंगे। पिछले साल किसानों को प्रति क्विंटल धान पर बोनस सहित 2025 रुपए का भुगतान किया गया था। किसानों को धान बेचने के साथ ही 50 फीसदी रकम का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए झारखंड राज्य खाद्य निगम एक हजार करोड़ रुपए का लोन लेगा।

सोने में तेजी, चांदी भी महंगी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 63,100 रुपये और चांदी के वायदा भाव 75,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 195 रुपये की तेजी के साथ 63,149 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 162 रुपये की तेजी के साथ 63,116 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 262 रुपये की तेजी के साथ 75,648 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 214 रुपये की तेजी के साथ 75,600 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ जरूर हुई। लेकिन बाद में इनकी कीमतों में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,066 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,069.10 डॉलर था। फिलहाल यह 6.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,075.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.49 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.56 डॉलर था। फिलहाल यह 0.11 डॉलर की तेजी के साथ 24.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारतपे को वित्तीय वर्ष 23 में राजस्व में 182 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। फिनटेक प्रमुख भारतपे ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2023 में राजस्व में 182 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि ईबीआईटीडीए घाटा 158 करोड़ रुपये कम हो गया है। वित्तीय वर्ष 2023 के लिए अपने वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए, फिनटेक फर्म ने वित्त वर्ष 23 में परिचालन से 904 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 22 में 321 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार, कर पूर्व घाटे को 5,594 करोड़ रुपये से घटाकर 886 करोड़ रुपये करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारतपे के सीएफओ और अंतरिम सीईओ नलिन नेगी ने कहा, हमारे व्यापार क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वृद्धि, बेहतर वित्तीय मेट्रिक्स के साथ मिलकर, हमारे व्यापारियों और हितधारकों के लिए मूल्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। व्यापारी ऋण प्रभाग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। ऋण सुविधा में 129 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 5,339 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। दूसरी ओर, वित्त वर्ष 2013 में लगभग 8 लाख नए साउंडबॉक्स उपकरणों की स्थापना के साथ, स्वाइप व्यवसाय ने कुल भुगतान मूल्य (टीपीवी) में 63 प्रतिशत की वृद्धि का अनुभव किया। नेगी ने कहा, आगे बढ़ते हुए, हमारा रणनीतिक ध्यान निरंतर लाभप्रदता, ऋण देने, पीओएस और साउंडबॉक्स व्यवसायों को बढ़ाने और नए व्यापारी-केंद्रित उत्पादों को लॉन्च करने पर है। वर्तमान में 450 से अधिक शहरों में 1.3 करोड़ से अधिक व्यापारियों के पंजीकृत नेटवर्क के साथ, कंपनी 370 मिलियन से अधिक यूपीआई लेनदेन संसाधित कर रही है। कंपनी ने एनबीएफसी के साथ साझेदारी में 12,400 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरण की सुविधा प्रदान की है।

दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार का हाल

मार्केट में तेजी का दौर जारी, शुरुआती गिरावट के बाद उछले सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों ने 1 दिन में कमाए 2.17 लाख करोड़ रुपये

मुंबई।
खरीदारी के सपोर्ट से घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि बाजार खुलने के बाद शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में काफी उठापटक होती रही। शेयर बाजार काफी देर तक लाल निशान में गिर कर कारोबार करता रहा। इसके बाद जब खरीदारी का जोर बना तो सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को कारोबार में पीएसयू बैंक सेक्टर को छोड़ कर निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में मंगलवार को सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, मेटल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 358.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 356.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 2.17 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,030 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,331 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,557 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 142 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,169 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,280 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में और 889 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 42 शेयर हरे निशान में और 8 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 9.18 अंक की कमजोरी के साथ 71,097.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिर कर 71,012.08 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार में लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 364.33 अंक की मजबूती के साथ 71,471.29 अंक के स्तर तक पहुंचा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 229.84 अंक की तेजी के साथ 71,336.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 15.80 अंक की बढ़त के साथ 21,365.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से ये सूचकांक 19.95 अंक टूट कर 21,329.45 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी का जोर बनने के बाद इस सूचकांक ने जल्द ही रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 127.75 अंक की मजबूती के साथ 21,477.15 अंक के स्तर तक पहुंचा। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 91.95 अंक की तेजी के साथ 21,441.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज 4.56 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 3.35 प्रतिशत, एनटीपीसी 2.25 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 2.03 प्रतिशत और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा 1.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस 1.82 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.60 प्रतिशत, इंफोसिस 1.21 प्रतिशत, टीसीएस 0.74 प्रतिशत और टाटा मोटर्स 0.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ मंगलवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

भारत में गूगल समेत छह टेक कंपनियां नहीं देंगी नौकरियां, वैश्विक आर्थिक मंदी से बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली।
प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नौकरी तलाश रहे लोगों को नए साल पर झटका लग सकता है। गूगल, फेसबुक, अमेजन और एपल सहित दुनिया की छह दिग्गज टेक कंपनियां भारत में नई नियुक्तियों पर रोक लगाने की योजना बना रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक (मेटा प्लेटफॉर्म), अमेजन, एपल, माइक्रोसॉफ्ट, नेटफ्लिक्स व गूगल की ओर से नौकरियों की पोस्टिंग में भारी गिरावट आई है। 2022 से तुलना करें तो इस साल इन कंपनियों की ओर से भारत में नौकरी देने के मामले में 90 फीसदी गिरावट आई है। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ये कंपनियां भारत में नई भर्तियों पर रोक लगा सकती हैं।

वर्तमान में कंपनियों की सक्रिय नियुक्तियां 98 फीसदी कम होकर सार्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टेक कंपनियां वैश्विक आर्थिक मंदी से सबसे बुरी तरह प्रभावित हैं, क्योंकि उनकी अधिकांश कमाई अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर निर्भर होती है।

78 फीसदी घट गई नौकरियों की मांग

वर्तमान वैश्विक आर्थिक स्थिति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अपनाने में तेजी से गूगल, नेटफ्लिक्स और मेटा जैसी कंपनियों में नौकरियों की मांग खासकर भारत में 2023 के दौरान 78 फीसदी कम हो गई है। यही स्थिति अगली दो तिमाहियों तक जारी रह सकती है।

भारतीय स्टार्टअप ने 28,000 को निकाला

इस पूरे साल में भारतीय स्टार्टअप कंपनियों की भी हालत बहुत बुरी रही है। इन कंपनियों ने 28,000 से ज्यादा लोगों को नौकरी से निकाला है। साथ ही, नईभर्तियां भी नहीं कीं।

गूगल ने पिछले साल निकाले थे 12,000 कर्मचारी

आर्थिक मंदी के कारण गूगल ने पिछले साल अब तक की सबसे बड़ी छंटनी की थी। कंपनी ने उस समय 12,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था।

दुनियाभर में हो सकती हैं सिर्फ 30,000 भर्तियां

बड़ी टेक कंपनियों के पास वर्तमान में वैश्विक स्तर पर सिर्फ 30,000 नौकरियां हैं। इससे नियुक्ति में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच, भारत में वर्तमान में 1.50 लाख से भी कम लोग टेक कंपनियों में कार्यरत हैं।

युद्ध के कारण श्रमिकों की कमी से जूझ रहा इजराइल, अर्थव्यवस्था में आ सकती है दो प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली।
एक प्रमुख शोध केंद्र के अनुसार चालू तिमाही में इजराइल की अर्थव्यवस्था में 2 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। इजराइल में फिलहाल हमास के साथ युद्ध से विस्थापित सैकड़ों हजारों श्रमिक या वे लोग हैं जो रिजर्विस्ट के रूप में बुलाए गए हैं। एक गैर-पक्षपातपूर्ण थिंक टैंक टॉब सेंटर फॉर सोशल पॉलिसी स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में इस्रायली में बेरोजगारी 20 प्रतिशत थी, जो आंकड़ा लड़ाई शुरू होने से पहले महज 3 प्रतिशत था।

बेरोजगारी में वृद्धि इस तथ्य को दर्शाती है कि लगभग 900,000 लोगों को देश में लड़ने के लिए बुलाया गया था, दूसरी ओर बच्चों की देखभाल करने के लिए लोग घर पर रहे क्योंकि स्कूल बंद हो गए थे। जानकारों के अनुसार अगले साल विकास के लिए अनुमान पहले के अनुमान से कम हैं, लेकिन रेंज अलग-अलग हैं, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि अर्थव्यवस्था केवल आधे प्रतिशत की वृद्धि कर सकती है। बैंक ऑफ इजराइल ने पिछले युद्धों और महामारी से इजराइल के उबरने का हवाला देते हुए संभवत: 2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जताया है। इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट में शोध के उपाध्यक्ष कर्णित फ्लग ने कहा, हम जो व्यापक अनुमान देख रहे हैं, वह कुछ

अलग-अलग धारणाओं से आता है कि लड़ाई कितनी लंबी और कितनी तीव्र होगी।

टॉब सेंटर के अनुसार, इजराइल में 191,666 लोगों ने 7 अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन किया था, जिसमें से अधिकांश ने कहा कि उन्हें जबरन अवैतनिक छुट्टी का सामना करना पड़ा।

श्रम की कमी पर्यटन, निर्माण और कृषि क्षेत्रों में विशेष रूप से सबसे ज्यादा रही है। निर्माण और कृषि उद्योग फिलिस्तीनी श्रमिकों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर से इजरायल में प्रवेश करने से बड़े पैमाने पर रोक दिया गया है। फल और सब्जियां उगाने के लिए भी कोई नहीं आ रहा है इस कारण कई इस्राइलियों ने देश के केंद्र और दक्षिणी इलाकों में खेतों में स्वेच्छा से काम किया।

पीएलआई स्कीम के तहत 746 आवेदनों को मंजूरी, सरकार ने कहा- 95,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ

नई दिल्ली ।
फार्मा, व्हाइट गुड्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे 14 क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत नवंबर 2023 तक 746 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 क्षेत्रों के लिए योजनाओं की घोषणा की गई थी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि लाभार्थी कंपनियों ने 150 से अधिक जिलों (24 राज्यों) में इकाइयां स्थापित की हैं और सितंबर तक 95,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ जिससे 7.80 लाख करोड़ रुपये का उत्पादन/बिक्री और 6.4 लाख से अधिक का रोजगार सृजन हुआ है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, नवंबर 2023 तक 746 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 2,900 करोड़ रुपये प्रोत्साहन के लिए वितरित किए गए हैं। तीन साल की अवधि के भीतर मोबाइल विनिर्माण में 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

बयान के अनुसार 2022-23 में कुल 101 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में स्मार्टफोन का योगदान 44 अरब डॉलर रहा, जिसमें 11.1 अरब डॉलर का निर्यात भी शामिल है। मंत्रालय ने कहा, दूरसंचार क्षेत्र के आयात में 60 प्रतिशत की कमी आई और भारत एंटीना, जीपीओएन (गीगाबिट पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क) और सीपीई (ग्राहक परिसर उपकरण) में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है। फार्मा क्षेत्र में भी कच्चे माल के आयात में उल्लेखनीय कमी आई है।

बयान में कहा गया है, पेनिसिलिन-जी सहित भारत में अन्य कई सामग्रियों और थोक दवाओं का निर्माण किया जा रहा है और सीटी स्कैन, एमआरआई जैसे चिकित्सा उपकरणों के निर्माण में तकनीक का हस्तांतरण हुआ है।

व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी लाइट कंपोनेंट्स) में पीएलआई के बारे में कहा गया है कि स्कीम के तहत 64 कंपनियों को चुना गया है। इसमें से 34 कंपनियां एयर कंडीशनर कंपोनेंट्स के लिए 5,429 करोड़ रुपये और 30 कंपनियां एलईडी कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग के लिए 1,337 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। मंत्रालय ने कहा, 6,766 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश से करीब 48,000 लोगों को अतिरिक्त प्रत्यक्ष रोजगार मिलने का अनुमान लगाया है। मंत्रालय ने कहा कि इस योजना के तहत 13 विदेशी कंपनियां 2,090 करोड़ रुपये का निवेश कर रही हैं।

कैपिटल गुड्स के शेयरों पर बन रहा एफआईआई का भरोसा, 41000 करोड़ का आया निवेश

नई दिल्ली ।
2023 में दलाल स्ट्रीट की रिकॉर्ड तोड़ तेजी में (विदेशी संस्थागत निवेशकों) एफआईआई का खासा योगदान रहा। इन्होंने अपने पसंदीदा वित्तीय सेक्टर के शेयरों पर भरोसा जताया और आईटी शेयरों से दूरी बनाई। दूसरी ओर, पूंजीगत वस्तुओं से जुड़े शेयरों में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बना रहा।

एफआईआई की ओर से वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में 43,911 करोड़ रुपये का आया निवेश

2023 में (15 दिसंबर तक) एफआईआई की ओर से खर्च किए गए 1,45,852 करोड़ रुपये में से लगभग 30 प्रतिशत प्रवाह (41,260 करोड़ रुपये) पूंजीगत वस्तुओं (से जुड़े शेयरों में आया। जनवरी में इस क्षेत्र में महज 86 करोड़ रुपये की छोटी बिकवाली को छोड़कर एफआईआई कैलेंडर वर्ष के शेष सभी 11 महीनों में पूंजीगत वस्तुओं से

जुड़े शेयरों में शुद्ध खरीदार रहे। इस दौरान वित्तीय सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक 43,911 करोड़ रुपये की खरीदारी देखने को मिली। वित्तीय क्षेत्र में एफआईआई का औसत भारांश 33.1 प्रतिशत रहा जबकि पूंजीगत वस्तुओं के मामले में यह 5.1 प्रतिशत रहा।

एमके ग्लोबल के आंकड़ों से पता चलता है कि एफआईआई इस साल वित्तीय (+5.3 प्रतिशत), कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (+2 प्रतिशत) और उपभोक्ता सेवा क्षेत्रों (+1.2 प्रतिशत) में लगातार ओवरवेट रहे हैं, जबकि वे सॉफ्टवेयर और सेवाओं (-2.72 प्रतिशत), एफएमसीजी (-2 प्रतिशत) और ऊर्जा क्षेत्र (-1.95 प्रतिशत) में लगातार अंडरवेट रहे हैं।

वैश्विक निवेशकों ने आईटी सेक्टर के शेयरों में की बिकवाली

मंदी की आशंका के बीच निवेशकों ने सॉफ्टवेयर निर्यातकों के प्रति वृद्धि और मार्जिन जोखिम की आशंका व्यक्त करते हुए जारी साल के दौरान करीब 10,600 करोड़ रुपये के आईटी शेयरों की बिकवाली की। वाहन कंपनियों के शेयरों में 28,746 करोड़ रुपये, उपभोक्ता सेवाओं में 16,884 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवा कंपनियों के शेयरों में 11,900 करोड़ रुपये की लिवाली देखी गई। दिलचस्प बात यह है कि तेल, गैस और उपभोग्य ईंधन से जुड़े ओल्ड इकोनॉमी के क्षेत्रों से जुड़े शेयरों में ही सबसे ज्यादा 26,637 करोड़ रुपये की बिकवाली भी दिखी। मीडिया, धातु और रसायन क्षेत्र के शेयर भी बिकवाली दिखी।

एक साल में बीएसई कैपिटल गुड्स इंडेक्स में करीब 60 पर्सेंट की आई तेजी

ऐसे में यहां एक बड़ा सवाल है कि क्या आपको निवेश के मामले में एफआईआई का अनुसरण करना चाहिए पिछले एक साल में बीएसई कैपिटल गुड्स इंडेक्स में करीब 60 पर्सेंट की तेजी आई है, जबकि सेंसेक्स में 16 पर्सेंट की तेजी आई है। पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी और पूंजी बाजार अपने विस्तार के लिए अच्छी गुणवत्तापूर्ण वृद्धि हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। विश्लेषकों को पूंजीगत व्यय में अधिक संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

बाजार के जानकारों का मानना है कि कॉरपोरेट खर्च और हाउसिंग साइकिल में हालिया वृद्धि अभी 5 साल और जारी रह सकते हैं। 85 प्रतिशत पूंजीगत व्यय इसके लिए प्रमुख चालक की भूमिका निभाएगा। सरकारी पूंजीगत व्यय में विश्वास कम होने से पूंजीगत व्यय में किसी भी तरह की संभावित गिरावट के दौरान विशेष रूप से निवेशकों को खरीदारी का अवसर मिलेगा।

स्कोप ने फिनटेक, गेमिंग स्टार्टअप के लिए 45 मिलियन डॉलर का वीसी फंड किया लॉन्च

नई दिल्ली। स्टार्टअप नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म स्कोप, ने 45 मिलियन डॉलर का एक उद्यम पूंजी कोष लॉन्च किया, जो फिनटेक और गेमिंग क्षेत्रों पर केंद्रित है। स्कोप की वीसी शाखा असाधारण वादे और विघटनकारी क्षमता प्रदर्शित करने वाले अभूतपूर्व स्टार्टअप की पहचान, पोषण और तेजी लाने के लिए एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करेगी। वीसी शाखा सक्रिय रूप से नवीन समाधानों, विघटनकारी प्रौद्योगिकियों और फिनटेक व गेमिंग के भीतर उद्योग मानदंडों को फिर से परिभाषित करने की क्षमता का प्रदर्शन करने वाले स्टार्टअप्स की खोज करेगी। स्कोप के संस्थापक और सीईओ अप्पला सैकिरन ने कहा,फिनटेक और गेमिंग सिर्फ उद्योग नहीं हैं, वे वैश्विक परिवर्तन लाने वाले गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र हैं। स्कोप के वीसी के साथ, हम साहसी दृष्टिकोण वाले स्टार्टअप के लिए एक उत्प्रेरक बनने की आकांक्षा रखते हैं, जो उन्हें भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। उद्यम पूंजी शाखा होनहार स्टार्टअप्स को रणनीतिक फंडिंग प्रदान करेगी, उनके विकास को बढ़ावा देगी और उन्हें अपने संचालन को बढ़ाने में सक्षम बनाएगी।

दर्द सहा पर भाई के हौसले ने चिराग को बनाया विजेता दर्दनिवारक दवाओं के सहारे खेले और बने चैंपियन

नई दिल्ली।
छोटे भाई लक्ष्य सेन के साथ 12 वर्ष पहले चिराग सेन अल्मोड़ा से प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी गए तो प्रकाश और कोच विमल कुमार उनसे बेहद प्रभावित हुए, लेकिन चिराग का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण अच्छा नहीं रहा। वहीं लक्ष्य का प्रदर्शन शानदार रहा। चिराग का आत्मविश्वास डगमगा गया। इस साल उन्होंने ध्रुव रावत के साथ युगल में खेलने का फैसला किया। युगल में मिले अच्छे परिणाम ने उनका आत्मविश्वास फिर जगा दिया, जिसका नतीजा उन्होंने वर्ष के अंत में राष्ट्रीय चैंपियन बनकर दिया है। लगातार 8 टूर्नामेंट खेलने के चलते चैंपियनशिप के दौरान चिराग कंधे के दर्द से जूझ रहे थे। दर्दनिवारक दवाएं लेकर वह खेले। लक्ष्य ने भाई का हौसला बढ़ाने के लिए अपनी फ्लाइट रद्द कर दी।

ऊंची रैंक के शटलरों को हराया–चिराग गुवाहाटी में समाप्त हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में ऊंची रैंक के किरन जॉर्ज और फाइनल में तरुण एम जैसे शटलर को हराकर विजय हासिल की। उनके भाई लक्ष्य सर्वोच्च वरीय के रूप में इस टूर्नामेंट में खेल रहे थे, लेकिन उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार मिली। लक्ष्य को वापस बंगलूरू जाना था, लेकिन बड़े भाई चिराग को उन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचते देखा तो उन्होंने अपनी फ्लाइट रद्द कर दी। सेमीफाइनल और फाइनल में लक्ष्य और उनके पिता कोच डीके सेन दोनों चिराग के पीछे बैठे। चिराग बताते हैं कि दोनों का साथ होने से उनका मनोबल बढ़ा और उन्होंने खिताब जीत लिया।

पिता को समर्पित किया खिताब–25 वर्षीय चिराग बताते हैं जब दोनों भाईयों ने अल्मोड़ा में बैडमिंटन खेलना शुरू किया था तो उनके पिता ने उस दौरान उनसे कहा था कि एक दिन उन्हें राष्ट्रीय चैंपियन बनना है। लक्ष्य दो बार फाइनल में पहुंचे, लेकिन खिताबी भिड़ंत में हार गए। पिता तो यह बात भूल गए, लेकिन चिराग के दिमाग में यह बात बैठी हुई थी। यहां चिराग ने चैंपियन बनकर खिताब पिता को समर्पित कर दिया।

लक्ष्य को कराएंगे ओलंपिक की तैयारियां– 2020 में केन्या इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीतने वाले चिराग बताते हैं कि उन्होंने इस माह ओडिशा सुपर 100 में शीर्ष 50 में डेनमार्क के मैट क्रिस्टोफर को हराया। इससे उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला। अब वह लक्ष्य को ओलंपिक की तैयारियां कराने के लिए उनके अभ्यास के जोड़ीदार की भूमिका निभाएंगे। वह उनके साथ इंडोनेशिया सुपर 1000, इंडिया ओपन 750 और थाईलैंड सुपर 500 टूर्नामेंट में साथ रहेंगे।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को मुंबई के सिद्धिविनायक गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की। रविवार को, हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट जीत हासिल की। यह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारुप में भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया पर पहली टेस्ट जीत थी। इससे पहले हरमनप्रीत के नेतृत्व में भारत ने इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ एकमात्र टेस्ट भी जीता था। आने वाले दिनों में हरमन वनडे और टी20 में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उनकी डिप्टी होंगी। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार टेस्ट मैच जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय महिला टीम 28 दिसंबर, 30 दिसंबर और 2 जनवरी को तीन वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। सभी मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। तीन टी20 मैच 5, 7 और 9 जनवरी को नवी मुंबई में खेले जाएंगे।

ज्योति की निगाहें हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर्स पर, जूनियर एशिया कप में जीत चुकी हैं स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। युवा फॉरवर्ड ज्योति छेत्री के लिए हाल का स्पेन दौरा अनुभव हासिल करने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण रहा और अब उनकी नजर अगले साल रांची में होने वाले एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाने पर है। उन्नीस वर्षीय ज्योति वेलेंसिया में खेले गए पांच देशों के टूर्नामेंट में भारतीय टीम का हिस्सा थी। इससे पहले वह जूनियर टीम का अहम हिस्सा रह चुकी है। इस साल महिला जूनियर एशिया कप में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार ज्योति ने कहा,'वेलेंसिया के दौरे से एक खिलाड़ी के रूप में मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और मुझे पूरा विश्वास है कि अगले साल रांची में होने वाले ओलंपिक क्वालिफायर्स के लिए मुझे भारतीय टीम का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा,'एक खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ने के लिए पिछला साल वास्तव में काफी मददगार रहा और अब मैं प्रत्येक मौके का पूरा फायदा उठाना चाहती हूं।

बांग्लादेश के बल्लेबाज तमीम नहीं चाहते हैं केन्द्रीय अनुबंध

ढाका। बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल ने क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से बाहर रखने को कहा है। तमीन ने कहा कि वह बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन के साथ बातचीत के बाद ही अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के बारे में कोई फैसला करेंगे। तमीम ने बीसीबी और टीम प्रबंधन से मतभेद के कारण ही विश्व कप में भी भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में भी नहीं थे। वहीं इसके बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए भी अनुपलब्ध रहे। बीसीबी क्रिकेट संचालन के अध्यक्ष जलाल यूनुस की ओर से कहा गया, तमीम ने कहा कि उनकी अपनी योजना है और इसलिए उन्होंने हमसे अनुरोध किया है कि उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल न किया जाए। तमीम को बीसीबी अध्यक्ष से मुलाकात करनी है उसके बाद ही वह आगे क्या करना है बतायेंगे। उन्होंने तब तक हमसे इंतजार करने के लिए कहा है। तमीम ने अंतिम बार सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला खेली थी। उनके बाहर होने से टीम की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। विश्वकप के दौरान भी टीम को ये अहसास हुआ। इस साल इस बल्लेबाज ने केवल एक टेस्ट और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं।

विश्व टेनिस लीग चैंपियनशिप–2023

मेदवेदेव, रुबलेव, सोफिया ने पीबीजी ईगल्स को खिताबी जीत दिलाई, टीम काइट्स को दी शिकस्त

दुबई।
यूएस ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट आंद्रेई रुब्लेव के नेतृत्व में पुनित बालन ग्रुप ईगल्स ने विश्व टेनिस लीग का खिताब जीता। संयुक्त अरब अमीरात के एतिहाद एरिना में खेले गए फाइनल में, पीबीजी ईगल्स ने प्रतिष्ठित ट्रॉफी और विजेता पर्स के लिए टीम काइट्स को 29-26 से हराया।

पुनित बालन ग्रुप खिलाड़ियों के जबरदस्त संयोजन के साथ धमाकेदार प्रदर्शन कर रहा था। अपना पहला मिश्रित युगल मुकाबला हारने के बावजूद, जहां मेदवेदेव-मीरा एंड्रीवा की जोड़ी टाई-ब्रेकर में पाउला बडोसा-स्टेफानोस सितसिपास से 6-7 (5-7) से हार गई, पीबीजी ईगल्स ने महिला युगल, पुरुष युगल और महिला एकल में जीत दर्ज करने के लिए धमाकेदार वापसी की।

महिला युगल वर्ग में एंड्रीवा और सोफिया केनिन ने बडोसा और आर्यना सबालेंका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए 7-5 से जीत दर्ज की।

मेदवेदेव ने कहा, यह मेरे लिए पहली विश्व टेनिस लीग थी और सीधे जीत के साथ शुरू होती है। इसलिए, मैं इससे खुश हूं, टीम के लिए खुश हूं और खुश हूं कि मैं कुछ अंक लाने में कामयाब रहा। मैं अपने युगल (पुरुष) से खुश था, खासकर इसलिए क्योंकि सोफिया के साथ खेले गए पहले मैच में हम हार गए थे। और फिर मैं अपने खेल को आगे बढ़ाने में कामयाब रहा। उसके बाद हम जो एकमात्र युगल हारे वह मिश्रित युगल था। लेकिन यह ठीक है, टेनिस में ऐसा हो सकता है।

मेदवेदेव और रुब्लेव ने ग्रिगोर दिमित्रोव और लॉयड हैरिस के खिलाफ पुरुष युगल में काफी आसान प्रदर्शन किया,और विश्व नंबर 5 के रूप में 6-3 से जीत हासिल की, रुब्लेव अपने योगदान से खुश थे और वह पोडियम फिनिश के लिए टीम का नेतृत्व कर सकते थे।

पुनित बालन समूह के, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, पुनित बालन ने टिप्पणी की, पीबीजी ईगल्स के हिस्से के रूप में हमारे समय के महान टेनिस खिलाड़ियों का होना अपने आप में एक अद्भुत अनुभव था और जीत के साथ शीर्ष पर रहना, हम इससे अधिक की उम्मीद नहीं कर सकते थे। जिस तरह से हमने मैचों का रुख किया और क्लिनिकल फिनिश सुनिश्चित की, वह महत्वपूर्ण था और मुझे बहुत खुशी है कि हम चैंपियंस के रूप में समाप्त हुए और अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का एक मजबूत कारण दिया क्योंकि हम 2023 को समाप्त कर रहे हैं।

पीबीजी ईगल्स ने महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर 33 केनिन ने वर्ल्ड नंबर 2 सबालेंका को हराकर और ऊंची छलांग लगाई।

पुरुष एकल मैच में विपक्षी टीम को शानदार जीत दर्ज करने की जरूरत थी। हालाँकि ग्रिगोर दिमित्रोव रुब्लेव पर 6-3 से जीत हासिल करने में कामयाब रहे, लेकिन पीबीजी ईगल्स के पास 29-26 से खिताब जीतने के लिए पर्याप्त पॉइंट कुशन था।

हरियाणा की मुक्केबाज मनीषा 60 किग्रा भारवर्ग के सेमीफाइनल में, मेनका देवी से होगा खिताबी मुकाबला

ग्रेटर नोएडा। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मनीषा मौन और जैस्मिन लंबोरिया ने राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 60 किलो भारवर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सेना का प्रतिनिधित्व करते हुए जैस्मिन ने महाराष्ट्र की पूनम कैथवास को पराजित किया। रेफरी को मुकाबला बीच में रोकना (आरएससी) पड़ा। अब उनकी टक्कर हिमाचल प्रदेश की मेनका देवी से होगी जिन्होंने तमिलनाडु की पीएस गिरजा को 4-1 से पराजित किया। हरियाणा की मुक्केबाज मनीषा जिन्होंने 2022 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता ने मिजोरम की टीसी लालरेमुरुती को 5-0 से हराया। मनीषा ने धीमी शुरुआत की लेकिन जल्द ही लय हासिल कर ली। उन्होंने सटीक पंच लगाने के लिए समय लिया। अब उनका सामना 2018 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पंजाब की सिमरनजीत कौर से होगा। अभी तक 60 और 66 किलो ऐसे भारवर्ग हैं जिसमें भारत ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है। अरुंधित चौधरी 66 भारवर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

आईपीएल से हुआ भारतीय क्रिकेट का विकास : गंभीर

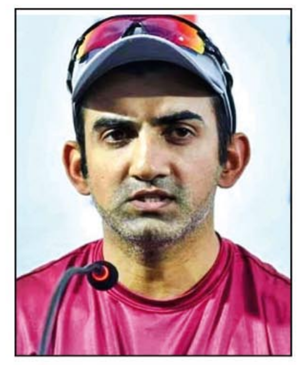

मुम्बई।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके शुरु होने के बाद से ही भारतीय क्रिकेट को काफी लाभ हुआ है और नई प्रतिभाएं सामने आयी हैं। साथ ही कहा कि अगर बीसीसीआई आईपीएल शुरु नहीं करता तो वह बड़ी भूल होती। गंभीर के अनुसार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली आईपीएल अब अपने 17वें संस्करण के लिए तैयार है। साथ ही कहा कि यह मार्की टी20 इवेंट घरेलू खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अहम मंच साबित हुआ है। इससे भारतीय क्रिकेट का काफी विकास हुआ है। इस बार की नीलामी में पंजाब किंग्स में शामिल होकर हर्षल पटेल (11.75 करोड़ रुपये) हासिल करने के साथ ही सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बनकर उभरे। वहीं अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों में, समीर रिजवी ने सबसे अधिक बोली हासिल की। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.4 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि कुमार कुशाग्र को दिल्ली कैपिटल्स ने 7.2 करोड़ रुपए में खरीदा। नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने। कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्टार्क को 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा, जो लीग के नीलामी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। फ्रेंचाइजियों ने इस नीलामी में कुल 230.45 करोड़ रुपए में 72 खिलाड़ियों को चुना, जिनमें 30 विदेशी खिलाड़ी भी शामिल थे।

पाकिस्तान हॉकी महासंघ को निलंबित कर सकता है एफआईएच

कराची। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) निलंबित कर सकता है क्योंकि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर उल हक काकर द्वारा पीएचएफ के नए अध्यक्ष की नियुक्ति को उनके पूर्ववर्ती खालिद सज्जाद खोकर ने चुनौती दी है। खोकर 2015 से पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी बर्खास्तगी और मीर तारिक हुसैन बुगाटी के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को चुनौती देंगे। खोकर ने कहा,'मैं अदालत की शरण में जाऊंगा और जब तक यह असंवैधानिक और गैर कानूनी फैसला नहीं बदला जाता, तब तक हार नहीं मानूंगा। उन्होंने कहा, 'मैं टकराव से बचना चाहता था लेकिन मुझे अब आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) और एफआईएच के पास जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।' अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ नई नियुक्ति को सरकारी हस्तक्षेप मानकर पीएचएफ को निलंबित कर सकता है।

खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने खुशी जतायी

नई दिल्ली।
देश की शीर्ष महिला एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने आजकल खिलाड़ियों को मिल रहे समर्थन पर खुशी जतायी है। अंजू ने इसके लिए मोदी सरकार की प्रशंसा की है। इसके साथ ही अंजू ने कहा कि मुझे ये देखकर लगता है कि मैंने गलत दौर में प्रतिस्पर्धा की थी। क्रिसमस के अवसर पर एक कार्यक्रम में विश्व चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता इस खिलाड़ी ने कहा, 'एक खिलाड़ी के रूप में मैंने तकरीबन 25 वर्षों तक प्रतिस्पर्धा की और मैं बहुत सारे बदलाव देख रही हूं। जब मैंने 20 साल पहले भारत को पहला पदक दिलाया था तब मेरा विभाग भी मुझे पदोन्नति देने के लिए तैयार नहीं था।

आज आज बदलाव साफ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन नीरज (चोपड़ा) के ओलंपिक पदक जीतने के बाद मैंने बदलाव देखे हैं। जिस तरह से हम जश्न मना रहे हैं उससे कभी-कभी मैं उनसे ईर्ष्या करने लगती हूं क्योंकि हमें ये सब नहीं मिला था। गौरतलब है कि पेरिस में 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता रही अंजू ने महिला सशक्तिकरण के बारे में कहा कि कैसे देश अब एथलीटों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाता है। उन्होंने कहा, महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ एक शब्द नहीं है।

हर भारतीय लड़की सपने देखने के लिए तैयार है क्योंकि उन्हें पता है कि उनके सपने सच होंगे। अंजू ने कहा, 'अब मुझे लगता है कि आने वाले समय में हम खेल जगत में भी शीर्ष पर होंगे।

केबीसी में आए ईशान किशन और स्मृति मंधाना, तेंदुलकर के सवाल पर फंसे, एक बार में गंवा दी 2 लाइफलाइन

नई दिल्ली।
भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अमिताभ बच्चन इन दिनों सोनी टीवी के लोकप्रिय शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) की होस्टिंग कर रहे हैं।

केबीसी में आए भारतीय क्रिकेटर–इस बीच भारतीय क्रिकेट के शानदार विकेटकीपर ईशान किशन और भारतीय महिला क्रिकेट की खिलाड़ी स्मृति मंधाना क्रिसमस के अवसर पर केबीसी में एक साथ नजर आए। बता दें कि स्मृति मंधाना इस वक्त भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान हैं और ईशान किशन सभी फॉर्मेट में पुरुष टीम के सदस्य हैं।

दोनों ने ग्रैंड फिनाले वीक की शुरुआत की–दोनों ने क्रिसमस पर केबीसी के ग्रैंड फिनाले वीक की शुरुआत की और केबीसी में क्विज के साथ फैंस को एंटरटेन भी किया। स्मृति मंधाना और ईशान किशन ने क्विज काफी अच्छा खेला और 12.5 लाख की धनराशि जीती। दोनों ने 12वें सवाल पर 12.5 लाख रुपये जीते।

13 सवाल पर छोड़ा गेम–दोनों ने 13वें सवाल पर गेम को क्विट कर दिया, जिस पर उन्हें 25 लाख मिलना था। उन्होंने सभी लाइफ लाइन का इस्तेमाल कर लिया था और उन्हे सवाल का जवाब नहीं मालूम था। दोनों ने 12वें सवाल के लिए जब 12 लाख 50 हजार जीते तो यह सवाल क्रिकेट से संबंधित था।

सवाल– किस भारतीय क्रिकेटर ने उस मैच में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें सचिन तेंदुलकर ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया था

ऑप्शन– राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, सौरव गांगुली और जवागल श्रीनाथ।

एक सवाल पर इस्तेमाल की दो लाइफलाइन–स्मृति और ईशान ने शुरू में फोन ऑफ फ्रेंड लाइफ लाइन का इस्तेमाल किया। ऐसे में दोस्त ने जवाब देते हुए कहा कि जवागल श्रीनाथ हो सकता है। इस बीच दोनों को अभी भी यकीन नहीं था और दोनों ने एक और लाइफ लाइन का इस्तेमाल किया।

ये था सही जवाब–इस बीच दोनों ने अपनी एक और लाइफ लाइन और आखिरी लाइफ लाइन का इस्तेमाल किया। दोनों के पास सही जवाब देने के दो मौके थे। ऐसे में दोनों ने पहले श्रीनाथ कहा, जो गलत था और फिर उन्होंने कहा कि अनिल कुंबले जो सही था।

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप के लिए पोलार्ड को बनाया सहायक कोच

लंदन। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और आक्रामक बल्लेबाज किरोन पोलार्ड आगामी टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की टीम को कोचिंग देते हुए नजर आयेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट (ईसीबी) ने पोलार्ड को अपनी टीम के कोचिंग स्टाफ से जोड़ा है। पोलार्ड ने अप्रैल 2022 में ही क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वह 2012 टी20 विश्व कप विजेता इंडीज टीम में शामिल रहे है। उन्होंने अपने करियर में 637 टी20 मैच खेले हैं। ईसीबी ने कहा कि पोलार्ड को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए कोचिंग टीम में नियुक्त किया गया है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के बीच माइकल हसी बोले- मैं एक पारंपरिक, उचित सलामी बल्लेबाज चुनूंगा

नई दिल्ली।
एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट के बीच, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल हसी, जिन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है, ने एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के बारे में चयनकर्ताओं को चेतावनी दी है।

हसी जिन्होंने खुद अपने टेस्ट करियर की शुरुआत एक सलामी बल्लेबाज के रूप में की थी। उन्होंने खेल के पारंपरिक लंबे प्रारूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को पुरस्कृत करने के महत्व पर जोर दिया। किसी विशिष्ट उम्मीदवार का नाम बताने से परहेज करने के बावजूद, उन्होंने चयनकर्ताओं से जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए एक विशेषज्ञ को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

हसी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, ओपनिंग, मैच में सबसे कठिन कामों में से एक है। तो मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से अगर मैं चयन कर रहा था, तो मैं एक पारंपरिक, उचित सलामी बल्लेबाज के लिए जा रहा होता। कोई ऐसा व्यक्ति जिसने इसे लंबे समय तक किया हो। क्योंकि यदि आपने अपने प्रथम श्रेणी करियर में ऐसा नहीं किया है तो आपको काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप यह नहीं कर सकते, और हो सकता है कि कोई उस भूमिका को निभाने के लिए विकसित हो सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि मिचेल मार्श या किसी अन्य जैसे खिलाड़ी के लिए यह मुश्किल होगा। मुझे पता है कि उनके बारे में बात चल रही है कि वह ऊपरी क्रम में

जाएगा। मुझे लगता है कि वह शायद ट्रेविस हेड की तरह मध्यक्रम में रहने के लिए अधिक उपयुक्त है।

30 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने से पहले हसी ने खुद को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया जिसमें उन्होंने 15, 313 प्रथम श्रेणी रन बनाए, ज्यादातर पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया और नॉर्थम्पटनशायर के लिए। उन्होंने 2005 में अपने दूसरे टेस्ट मैच में चोटिल जस्टिन लैंगर की जगह लेते हुए ओपनिंग करते हुए शतक भी बनाया था।

जब लैंगर वापस लौटे, तो बाएं हाथ के बल्लेबाज को निचले क्रम में भेजा गया। उन्होंने शेष 79 टेस्ट मध्य क्रम के बल्लेबाज के रूप में खेले, जिसमें 51.52 की औसत से 6,235 रन बनाए। जिसमें उनके 19 टेस्ट शतकों में से 18 बैटिंग ऑर्डर नंबर 4-6 पर आए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने पहले दो मैचों के बाद टेस्ट क्रिकेट में केवल एक पारी की शुरुआत की।

एक सलामी बल्लेबाज के साथ-साथ मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में अपना दमखम दिखाने के बाद हसी की क्रिकेट यात्रा ने अलग पहचान बनाई।

वार्नर के प्रतिस्थापन को लेकर बहस तेज हो गई है जिसमें मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट और मैट रेनशॉ प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रहे थे। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कोच और चयनकर्ता, एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने अन्य विकल्पों को ध्यान में रखते हुए मार्नस लाबुशेन के ओपनिंग करने की संभावना का सुझाव दिया।

हसी ने कहा, मुझे पसंद है कि जो भी नीचे के स्तर पर हावी है। जो शेफ़ील्ड शील्ड क्रिकेट में लंबे समय से हावी रहा है और ईमानदारी से कहें तो वे सभी विभिन्न चरणों में हैं।

आंखों की कमजोर रोशनी के कारण वर्ल्ड कप में संघर्ष कर रहे थे शाकिब

बांग्लादेश। बांग्लादेश टीम के कप्तान और स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। शाकिब ने बताया कि वह वनडे विश्व कप 2023 में आंखों की कमजोर रोशनी की वजह से अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। शाकिब ने कहा कि उनकी बायीं आंख में थोड़ी दिक्कत है, जिसके कारण उन्हें धुंधला नजर आ रहा है। डॉक्टर ने उन्हें आंखों की ड्रॉप दी और स्ट्रेस कम लेने की सलाह दी। शाकिब ने क्रिकबज से कहा, मुझे गेंद का सामना करने में काफी परेशानी हो रही थी। यह विश्व कप के एक या दो मैचों में नहीं है, बल्कि पूरे विश्व कप के दौरान मुझे यह परेशानी हुई। बांग्लादेशी कप्तान ने कहा, जब मैं डॉक्टर के पास गया तो मेरे कॉर्निया या रेटिना में पानी था और उन्होंने मुझे ड्रॉप्स दी थी। साथ ही यह कहा गया था कि मुझे अपना तनाव कम करना होगा। मुझे नहीं पता है कि क्या यही कारण था। लेकिन जब मैंने अमेरिका में दोबारा जांच की तो कोई तनाव नहीं था और मैंने डॉक्टर को बताया कि कोई विश्व कप नहीं है इसलिए स्वाभाविक रूप से कोई तनाव नहीं है। यह ऑलराउंडर, जो अक्सर अपनी टीम के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। बल्ले से अपनी लय पाने के लिए टूर्नामेंट में संघर्ष करता नजर आया और टूर्नामेंट में केवल 186 रन ही बना सका। फिर भी, शाकिब ने श्रीलंका के खिलाफ मैच विनिंग 82 रन की पारी खेली।

स्वास्थ्य

वजन घटाने के लिए नींबू पानी पीते हैं, हो सकता है नुकसान

वजन घटाने के लिए अक्सर जो एक सुझाव ज्यादातर लोग देते हैं वह है- सुबह उठते ही खाली पेट में गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीना... हम सब इस नुस्खे से वाकिफ हैं और बहुत से लोग ऐसे हैं जो नींबू-पानी पीने से होने वाले फायदों की तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। ऐसे में अगर आप भी जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन करते हैं तो इससे होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में जान लें...

सीने में जलन हो सकती है

नींबू, ऐसिडिक फ्रूट है और अगर इसका ज्यादा सेवन किया जाए तो इससे सीने में जलन की समस्या हो सकती है। लिहाजा अगर आपको ऐसिड रिफ्लक्स यानी अम्ल प्रतिवाह की समस्या है तो नींबू पानी पीने से बचें।

दांत की परत को नुकसान

नींबू में मौजूद ऐसिड दांत की परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे नैचरल शुगर लेवल में कमी आने लगती है और फिर दांत खराब होने लगते हैं। लिहाजा अगर जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन किया जाए तो इससे दांतों में सेंसिटिविटी और कैविटी की समस्या बढ़ सकती है।

मिचली आने की समस्या

वैसे तो नींबू में विटमिन सी की प्रचूर मात्रा होती है जो हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन अगर इसका जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए तो यह शरीर के लिए कई तरह से खतरनाक साबित हो सकता है। इससे पेट में क्रैम्प्स पड़ सकते हैं, पेट खराब हो सकता है या मिचली आने की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना

नींबू के रस का ज्यादा सेवन करने पर स्वास्थ्य से जुड़ी एक और समस्या हो सकती है और वह है- बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना जिससे डिहाईड्रेशन होने का खतरा रहता है। ऐसे में डिहाईड्रेशन से बचने के लिए आपको पानी पीने की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।

माइग्रेन के मरीजों के लिए ठीक नहीं

नींबू पानी पीने से कुछ मरीजों में माइग्रेन की समस्या दोबारा शुरू हो सकती है। इसकी वजह यह है कि खट्टे फलों में टाइरामीन होता है जिससे माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। विटमिन सी शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन इसकी मात्रा को कम कर दें।

मुंह के छाले बढ़ सकते हैं

अगर आपको मुंह में छाले हो गए हैं तो नींबू पानी का सेवन न करें। इससे छाले और उनसे जुड़ी तकलीफ और बढ़ सकती है। जिन लोगों को ऐसिडिक फूड से ऐलर्जी है उन्हें भी नींबू पानी का सेवन नहीं करना चाहिए वरना उनकी ऐलर्जी की समस्या बढ़ सकती है

कुछ बातें, जिनकी वजह से बढ़ने लगती हैं दूरियां

कहते है कि बेटा मां का लाडला होता है और पापा का प्यारा लेकिन बेटा अपने पापा से काफी अलग-अलग रहता है। शायद उनके बीच की बोन्डिंग ज्यादा अच्छी नहीं होती। इनकी सोच भी एक-दूसरे से काफी अलग होती है। ऐसे में छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव होना संभव है। बेटे को लगता है कि उसके पापा उससे प्यार नहीं करते है, वहीं दूसरी तरफ बाप को लगता है कि बेटा उसका कहना नहीं मानता। आज हम आपको उन्हीं बातों के बारे में बताएंगे, जिनकी वजह से बाप-बेटे का रिश्ता मजबूत और अच्छा नहीं बन पाता।

अभी तुम बच्चे हो

जब बेटा बड़ा होने लगे और हर बात पापा उसे डांटने लगे या उसे नादान बताने लगता है तो यही बेटे के गुस्सा का कारण बन जाता है और वह पापा से दूरी बना लेता है। ऐसे में बाप-बेटे दोनों को समझने की जरूर है। बात को समझना चाहिए कि हर बात उन्हीं के हिसाब से नहीं हो सकती।

पिता की रोक-टोक

लड़के जब बड़े हो जाते हैं तो वो किसी की नहीं सुनते। घूमना-फिरना तो मानों उनका शौंक होता है। ऐसे में बच्चे को हर बात के लिए मना करना या बात-बात पर टोकना अच्छा नहीं है। माना की बच्चों को कंट्रोल में रखना जरूरी है लेकिन इतना भी नहीं कि उसके मन में आप ही के लिए नफरत पैदा हो जाए।

तुम्हारे बस का काम नहीं

जब बेटा उस काम को करने का सामर्थ रखता भी है लेकिन उसे बार-बार एक ही बात कहना कि यह काम तेरे बस का नहीं है तो उसका बहुत बुरा लगता है। ऐसे में बेटा इसे अपने आत्मसम्मान पर ले लेता है और बाप-बेटके बीच की दूरियां बढ़ने लगती है।

दोस्तों को लेकर बातें सुनाना

अधिकतर लड़कों को अपने दोस्तों का साथ काफी पसंद होता है। ऐसे में उसके दोस्तों को लेकर सुनाना और उनकी बुराई करने लग जाने से बेटे को बेहद बुरा लगता है। उससे लगने लगता है कि शायद उसका खुद का लिया कोई भी निर्णय ठीक नहीं है।

शैंपू से ज्यादा असरदार हैं ये चीजें

हर कोई चाहता है कि उसके बाल सॉफ्ट और शाइनी हो। इसके लिए लोग महंगे से महंगे शैम्पू (Shampoo) का इस्तेमाल करते है लेकिन पुराने समय में लोग ये शैम्पू नहीं बल्कि घरेलू तरीके अपनाकर अपने बालों की खूबसूरती बनाते थे। लोग काली मिट्टी जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे, जिससे बालों में चमक आती थी। दरअसल, इन चीजों में विटामिन्स और मिनरल्स होते है जिससे त्वचा का पीएच लेवल बैलेंस रहता है। इससे बाल घने और मजबूत होते है।

बालों को धोने के नैचुरल तरीके

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी स्किन और बाल दोनों के लिए फायदेमंद है। इसमें पानी और नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं।

चावल का पानी

जापानी महिलाओं के बाल काफी चमकदार होते है। दरअसल, वह बालों को धोने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल करती हैं। इससे बालों की जड़ों से सफाई होती है और चमक आती है।

काली मिट्टी

शाइनी बालों के लिए चिकनी काली मिट्टी का इस्तेमाल करें। इसे पानी में मिलाकर बालों में लगाएं। 2 मिनट बाद बालों को धो लें।

आंवला

बालों को शाइनी बनाने के लिए आंवला बेस्ट है। आंवले में रीठा मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। बाद में बालों को धो लें। इससे बाल झड़ने बंद होगे।

स्वास्थ्य

हिचकियों से परेशान हैं? ये रहे हिचकी दूर करने के उपाय

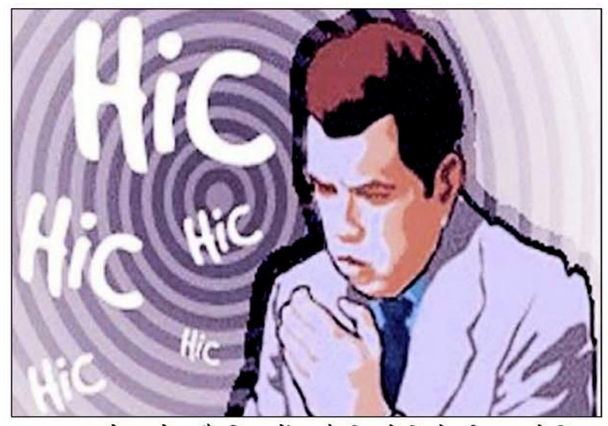

अक्सर ऐसा होता है कि हमें हिचकी आती है और हम कहते हैं कि शायद हमें कोई याद करता है। हिचकी आने पर अमूमन लोग पानी पीते हैं और हिचकियां रूक जाती हैं। लेकिन कभी-कभी हिचकियां लगातार आती रहती हैं और थोड़ी ही देर में यह परेशानी का सबब बन जाती है। ऐसे में सिर्फ पानी आपका साथ नहीं देता। हिचकियों को रोकने के लिए आप अन्य कई चीजों का सहारा ले सकते हैं। आईए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में-

मीठा है मददगार

अगर आपको हिचकियां परेशान कर रही हैं तो उस समय आप एक चम्मच चीनी खाएं। चीनी के दानेदार होने के कारण यह आपकी भोजन-नलिका को थोड़ा प्रभावित करती है। ऐसा करने से हिचकियां आना बंद हो जाती हैं, हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सिरके का प्रयोग

चूंकि सिरका स्वाद में काफी खट्टा होता है, ऐसे में इसका प्रयोग भी आपकी हिचकियों को रोक सकता है। इसके लिए आप एक चम्मच सिरके का सेवन कर लीजिए। यकीन मानिए, आपकी हिचकियां बंद हो जाएंगी। आप चाहें तो सिरके के स्थान पर नींबू की स्लाइस या अचार के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।

पीनट बटर

अगर आप हिचकियों को बंद करने का एक असरदार तरीका खोज रहे हैं तो पीनट बटर आपकी खोज का अंत साबित हो सकता है। जब आप पीनट बटर खाते हैं तो आपको उसे चबाना पड़ता है, जिसके कारण आपकी जीभ व दांत का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसा करने पर आपकी श्वसन प्रक्रिया भी बाधित होती है और अंत में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

स्वाद शहद का

एक चम्मच शहद को गर्म पानी में मिक्स करें। अब इसे अपनी जीभ के निचले हिस्से की मदद से निगल जाएं। शहद आपकी वेगस तंत्रिका को गुदगुदी करता है, जिससे आपकी हिचकी स्वत: ही रूक जाती है।

चॉकलेट का प्रयोग

यह तरीका सुनने में जितना मीठा लगता है, इसे इस्तेमाल करने में आपको उतनी ही परेशानी आ सकती है। हिचकियों को रोकने के लिए आप एक चम्मच पाउडर चॉकलेट खाएं। एक चम्मच पाउडर चॉकलेट को निगलना आसान नहीं होता लेकिन यह आपकी हिचकियों को रोकने में काफी असरदार होता है।

हथियार बनेंगे हाथ

आप अपने एक हाथ की हथेली को दूसरे हाथ के अंगूठे की मदद से काफी तेज से दबाएं। यह आपके तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और इससे थोड़ी ही देर में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

हिचकियों को रोकने में ब्रीदिंग एक्सरसाइज आपके काफी काम आ सकती है। इसके लिए आप पहले गहरी सांस लें और फिर जितना देर हो सके, उसे रोके रखें। ऐसा करने से आपके फेफड़ों में कार्बन डाईआक्साइड भर जाएगी और यह आपके डाइअफ्रैम को रिलैक्स करने में मदद करेगी। ऐसा होने पर आपकी हिचकियां भी रूक जाएंगी।

साइकोलॉजिकल तकनीक

कभी-कभी आप सिर्फ अपने दिमाग को डिस्ट्रैक्ट करके भी अपनी हिचकियों को रोक सकते हैं। जब आपका ध्यान किसी और चीज में लग जाता है तो हिचकियां खुद-ब-खुद ही रूक जाती हैं। इसके लिए आप अपना मनपसंद गीत लगाएं और उसके गीत खुद तेज-तेज गुनगुनाएं। अगर आप चाहें तो उसकी धुन पर डांस भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एल्फाबेट गेम खेलकर भी अपना ध्यान हिचकियों से हटा सकते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए जरूर खाएं मशरूम

मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिनकी शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। साथ ही ये फाइबर का भी एक अच्छा माध्यम है। कई बीमारियों में मशरूम का इस्तेमाल दवाई के तौर पर किया जाता है। इनमें विटामिन बी, डी, पोटैशियम, कॉपर, आयरन और सेलेनियम की पर्याप्त होती है। इसके अलावा मशरूम में कोलिन नाम का एक खास पोषक तत्व पाया जाता है, जो मांसपेशियों की सक्रियता और याददाश्त बरकरार रखने में बेहद फायदेमंद रहता है।

1. मशरूम में एंटी-ऑक्सीडेंट भूरपूर होते हैं।

2. मशरूम में मौजूद तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी-जल्दी नहीं होतीं। मशरूम में मौजूद सेलेनियम इम्यून सिस्टम के रिस्पॉन्स को बेहतर करता है।

3. मशरूम विटामिन डी का भी एक बहुत अच्छा माध्यम है। यह विटामिन हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता है। नियमित तौर पर मशरूम खाने पर हमारी आवश्यकता का 20 प्रतिशत विटामिन डी हमें मिल जाता है।

4. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जिससे वह वजन और ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ाता।

5. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल होता है और इसके सेवन से काफी वक्त तक भूख नहीं लगती।

6. इसमें वसा, मिनरल और फाइबर की मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से पेट संबंधी रोग और मौसमी बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

इसके अलावा मशरूम को बालों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। वहीं कुछ स्टडीज में मशरूम के सेवन से कैंसर होने की आशंका कम होने की बात तक कही गई है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

विंटर में घर में गर्माहट का अहसास दे सकते हैं ये टिप्स

आपने कितने ही कपड़ें क्यों न पहने हों लेकिन अगर आपके घर में गर्माहट नहीं है तो आपको लगातार ठंड लगती रहेगी. ऐसे में हो सकता है कि ठंड आपको अपनी गिरफ्त में ले ले और आप बीमार भी हो जाएं. इस मौसम में अपने घर को गर्म रखने के लिए चमकीले, चटख रंग के कुशन इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं या मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं. इससे आपको भी गर्माहट व सुकून का अहसास होगा.

एटलस इंटीरियो की प्रिंसिपल डिजाइनर अदिति साहनी और इनलिविंग के निदेशक आशीष गुप्ता ने इस सर्दियों में घर में गर्माहट बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए है।

चमकीले और आरामदायक, स्पॉन्जी टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए सर्दी सबसे उपयुक्त मौसम है. ऊन, फॉक्स फर या मखमल के कुशन को इस्तेमाल में लाएं.

* ठंडे फर्श पर नहीं चलें. फर्श पर रंगीन, खबूसूरत कालीन या दरी बिछाएं, जो न सिर्फ आपके पैरों को गर्म रखेंगे, बल्कि घर की खूबसूरती भी बढ़ाएंगे. आप चाहें तो स्टाइलिश, रंगीन कॉर्पेट का चयन कर सकती हैं.

* सर्दियों में दीवारों को चटख गर्म रंगों जैसे लाल, पीला, भूरा रंग से पेंट कराएं. इससे आपके घर को नया और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा.

* आप चाहें तो कई मोमबत्तियां जलाकर भी घर में गर्माहट बनाए रख सकती हैं. मोमबत्तियां आपको गर्माहट का अहसास दिलाने के साथ रूमानी अहसास भी दिलाएंगी.

रेसिपी

आलू का हलवा

सामग्री

- 1 कप देसी घी
- 1 किलो उबले हुए आलू
- 1 1/2 कप चीनी
- 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- 8-10 बारीक कटे बादाम
- 8-10 बारीक कटा पिस्ता
- 10-12 किशमिश (पानी में भिगी हुई)

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में घी डालें और उसे गर्म करें। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें और कड़ाही में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आलू को लगातार हिलाते रहें ताकि वह कड़ाही के साथ चिपक न जाए। इन्हें तब तक भूनें जब तक आलू का रंग हल्का ब्राउन न हो जाए। अब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर एक बार फिरअच्छी तरह मिक्स करें।

हलवा जब घी छोड़ने लगे तो इसमें बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिक्स करें। आपका आलू का हलवा तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

चावल के पकोड़े

सामग्री

पके हुए चावल 2 कप प्याज़ 2 अदरक 1 /2(डेड़ इंच टुकड़ा ताज़े पुदीने के पत्ते 1/4(एक थ कपबेसन 1/2(आधा) कप नमक स्वादानुसार री मिर्च बारीक कटा हुआ 4 चाट मसाला 1 छोटा म्मच

विधि

एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करने रखें। प्याज़, अदरक और पुदीने के पत्ते एक चॉप्पर में काट लें ।चावल को एक बाउल में लें, उसमें डालें कटे हुए प्याज़-अदरज-पुदीने के पत्ते, बेसन, नमक, हरी मिर्चें और चाट मसाला और अच्छी तरह मिला लें ।इस मिश्रण के मध्यम आकार के बॉल्स बना लें और गरम तेल में डालकर सुनहरा और करारे होने तक तल लें। तेल से निकालकर एब्सॉरबेन्ट पेपर पर रखें। गरमागरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**